RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 मांगी 20 करोड़ फीस ...

वर्ष : 27 अंक : 148 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 19 मई, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

'ऑपरेशन सिंदूर'

पाकिस्तान के टारगेट पर था 'स्वर्ण मंदिर'

8 मई को मिसाइल व ड्रोन से किया था हमला, सेना ने हमले किए नाकाम

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ। भारतीय सेना लगातार पाकिस्तान के खतरनाक मंसूबों को मिटटी में मिलाने के लिए तैयार खड़ी है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद से भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था, जिसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर कई ड्रोन और मिसाइल दाग दिए थे। हालांकि, भारत के मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया था।

सेना ने सोमवार को एक प्रदर्शन किया कि कैसे आकाश मिसाइल प्रणाली, एल-70 एयर डिफेंस गन सहित भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर और पंजाब के शहरों को पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाया।

सेना के 15 इन्फेंट्री डिवीजन के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान द्वारा यहां के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ नागरिकों और प्रतिष्ठित ठिकानों को भी निशाना बनाने की चाल को भांप लिया था, जिसमें स्वर्ण मंदिर जैसे धार्मिक स्थल भी शामिल थे, जो खुफिया जानकारी के अनुसार मुख्य लक्ष्य था।

मेजर जनरल शेषाद्रि ने कहा कि हमें पता था कि पाक सेना के पास कोई वैध लक्ष्य नहीं है, हमने अनुमान लगाया कि वे भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों, नागरिक लक्ष्यों, धार्मिक स्थलों सहित को निशाना बनाएंगे। इनमें से स्वर्ण मंदिर सबसे प्रमुख प्रतीत हुआ। हमने स्वर्ण मंदिर की सुरक्षा के लिए एक अतिरिक्त एयर डिफेंस सिस्टम लगाई थी।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने स्वर्ण मंदिर को निशाना बनाते हुए ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों सहित हवाई हथियारों से हवाई हमला किया, जिसे सेना के जवानों ने 'नाकाम' कर दिया, जो ऐसी स्थितियों और हमलों के लिए तैयार थे। शेषाद्रि ने कहा कि 8 मई की सुबह-सुबह, बिल्कुल अंधेरे में पाकिस्तान ने मानव रहित हवाई हथियारों, मुख्य रूप से ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों के साथ बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया। हम पूरी तरह से तैयार थे क्योंकि हमें इसकी आशंका पहले से थी।

मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्री, जीओसी, 15 इन्फैंट्री डिवीजन ने कहा कि याद रहे 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल स्थिर किया गया है, ख़त्म नहीं हुआ। उसका विकराल रूप अभी बाकी है।

कलयुगी माँ ने गले में पड़े ताबीज से घोंटा बेटे का गला

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मां ने अपने चार साल के बच्चे की हत्या कर दी। उसने बच्चे के गले में पडे ताबीज से उसका गला घोट दिया। इससे भी उसका दिल नहीं भरा तो उसने मासूम को दांतों से कई जगह काटा। फिर उसके शव को उठाकर बाबा के बगल में बिस्तर पर रख दिया और खुद दबे पांव खाना बनाने किचन में चली गई। इस बीच जब बच्चे ने कोई हरकत नहीं तो परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने जब बारीकी से जांच की और घर के सदस्यों से पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

दिल्ली पुलिस के एएसआई ने की खुदकुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गाजीपुर इलाके में रहने वाले असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (ASI) ललित सिरोही ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। बताया गया कि वह उत्तर पूर्वी जिला में तैनात थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। अभी खुदकुशी के कारणों का पता लगाया जा रहा है। बताया गया कि पिछले कुछ दिनों से एएसआई परेशान नजर आ रहे थे। एएसआई ललित सिरोही अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ जीडी कॉलोनी के फ्लैट नंबर 21 में किराए पर रह रहे थे। सुबह उनकी पत्नी बच्चों को छोड़ने स्कूल गई थीं। घर आने पर उन्होंने देखा कि वे खून से लथपथ पड़े हैं और उनके पास सरकारी पिस्तौल है। वहीं, आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन, डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नोएडा में संघ के भवन का हुआ भूमि पूजन

सेक्टर-33 में 1400 वर्ग मीटर में बनेगा 8 मंजिला 'ओम भवन'

नोएडा (चेतना मंच)। दशकों बाद आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास अब फलीभूत होते नजर आ रहे हैं। नोएडा में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य भवन बनने जा रहा है। आज वैदिक मंत्रोच्चार तथा पूजन के साथ सेक्टर-33 में इस भवन के लिए भूमि पूजन किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नोएडा के नगर कार्यवाह सतेन्द्र सिंह तथा संघ चालक दिनेश गोयल ने बताया कि इस्कॉन मंदिर के पीछे करीब 1400 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में संघ का 8 मंजिला भव्य भवन बनेगा। इसका नाम 'ओम भवन' रखा गया है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय संघ चालक सूर्य प्रकाश टोंक, पश्चिम क्षेत्र के प्रचार प्रमुख कृपा शंकर, प्रांत प्रचारक अनिल जी,सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा, नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, (शेष पृष्ठ-4 पर)

गाजियाबाद में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने पहने एसी हेलमेट

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद के ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अनूठी पहल शुरू की गई है। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को टेंपरेचर कंट्रोल (एसी) हेलमेट प्रदान किए गए हैं जिससे पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी तथा सेहत और आराम का भी ध्यान रखा जाएगा।

उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही हैऐसे में गाजियाबाद पुलिस ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए एसी हैल्मेट दिए हैं। गर्मियों में तापमान 40-45 डिग्री पहुंच जाता है ।ऐसे में सड़क पर खड़े ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को यातायात नियंत्रण करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी को देखते हुए यह पहल की गयी है।

विश्व हिंदू परिषद के भवन का भी हुआ भूमिपूजन

नोएडा। आज जहां शहर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भवन का भूमि पूजन हो रहा है। वहीं सेक्टर-101 सलारपुर में भी विश्व हिंदू परिषद के नए भवन का निर्माण करने के लिए भूमि पूजन किया गया।

सेक्टर 101 सलारपुर में श्री शक्ति माता मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण तथा हवन-पूजन के साथ जगतगुरु शंकराचार्य राजराजेश्वरानंद ने विश्व हिंदू परिषद के भवन का विधिवत भूमि पूजन किया।

इस मौके पर भी विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय पदाधिकारी दिनेश चंद्र समेत विश्व हिंदू परिषद तथा भाजपा के कई पदाधिकारी के अलावा गणमान्य लोग मौजूद थे।

अखिलेश व बृजेश पाठक में डीएनए पर घमासान

डिप्टी सीएम के वकील ने अखिलेश, मीडिया सेल व सपा प्रदेश अध्यक्ष को भेजा नोटिस

लखनऊ (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और सपा मुखिया अखिलेश यादव के बीच जुबानी जंग जारी है. विवाद की शुरुआत समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल द्वारा ब्रजेश पाठक पर 'DNA' वाले आपत्तिजनक कमेंट के बाद हुई। इसको लेकर पाठक ने आपत्ति जताई और अखिलेश पर निशाना साधा। जवाब में सपा मुखिया ने लंबा-चौड़ा पोस्ट कर इस मुद्दे पर सफाई दी, साथ ही डिप्टी सीएम को भी 'मर्यादा' में रहने की हिदायत दी। लगा कि इस पोस्ट के बाद विवाद समाप्त हो जाएगा और दोनों नेता %शांत% हो जाएंगे। लेकिन अखिलेश यादव के पोस्ट के बाद ब्रजेश पाठक ने फिर से एक के एक दो पोस्ट किए और सपाइयों को 'शिशुपाल' की संज्ञा दे डाली। वहीं इस मामले में पाठक के वकील ने अखिलेश यादव, सपा के मीडिया सेल व प्रदेश अध्यक्ष को मानहानि का नोटिस भेजा है।

डिप्टी सीएम यहीं नहीं रुके उन्होंने इसके बाद सोमवार यानी कि 19 मई को एक और पोस्ट किया और समाजवादी पार्टी की मानसिकता पर सवाल खड़ा करते हुए तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि अखिलेश जी आप इस बात को समझिए कि 'DNA' में खराबी से हमारा मतलब किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि आपकी पार्टी की राजनीतिक सोच से है। जिसके बाद अखिलेश ने इशारों में जवाब देते हुए पोस्ट कर लिखा- 'हुक्मरानों की बदजुबानी पर भी आज़ाद, और किसी की सच कहने पर गिरफ़्तारी।'

अखिलेश ने दिया जवाब

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया एक्स पर जवाब दिया है। अखिलेश यादव ने अपने ट्वीट में लिखा है कि हमने उप्र के उप मुख्यमंत्री जी की टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए, पार्टी स्तर पर उन लोगों को समझाने की बात कही है जो समाजवादियों के डीएनए पर दी गयी आपकी 'अति अशोभनीय टिप्पणी' से आहत होकर अपना आपा खो बैठे। आइंदा ऐसा न हो, हमने उनसे तो ये आश्वासन ले लिया है लेकिन आपसे भी यही आशा है कि आप जिस तरह की बयानबाज़ी निरंतर करते आये हैं उस पर भी विराम लगेगा। आप जिस स्तर के बयान देते हैं वो भले आपको अपने व्यक्तिगत स्तर पर उचित लगते हों लेकिन आपके पद की मर्यादा और शालीनता के पैमाने पर किसी भी तरह उचित नहीं ठहराये जा सकते हैं।

एक स्वास्थ्य मंत्री के रूप में आपसे ये अपेक्षा तो है ही कि आप ये समझते होंगे कि किसी के व्यक्तिगत 'डीएनए' पर भद्दी बात करना दरअसल किसी व्यक्ति नहीं वरन् युगों-युगों तक पीछे जाकर उसके मूलवंश और मूल उद्गम पर आरोप लगाना है। जैसा कि सब जानते हैं कि हम यदुवंशी हैं और यदुवंश का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से है अत: ऐसे में आपके द्वारा हमारे डीएनए पर किया गया प्रहार धार्मिक रूप से भी हमें आहत करता है। हम जानते हैं कि आपका धर्म-प्रधान व्यक्तिक्त ऐसा नहीं है कि वो भगवान श्रीकृष्ण के प्रति ऐसी दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी कर सकता है परंतु एक सामान्य भोला व्यक्ति जो भगवान श्रीकृष्ण ही नहीं बल्कि किसी भी भगवान में विश्वास करता है वो आपकी टिप्पणी को अन्यथा भी ले सकता है। ऐसे में आपसे आग्रह है कि राजनीति करते-करते न अपनी नैतिकता भूलिए और न ही धर्म जैसी संवेदनशील भावना को जाने-अंजाने में ठेस पहुंचाइए।

आशा है आप अपनी टिप्पणी के लिए अपने अंदर बैठे हुए उस अच्छे इंसान से क्षमा माँगेंगे, जो पहले ऐसा न था। (शेष पृष्ठ-4 पर)

सेक्टर-51 में जांच के लिए पानी के नमूने लेने पहुंची टीम

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 में नोएडा प्राधिकरण द्वार आपूर्ति किए जा रहे जल की शिकायत के बाद आज कई स्थानों से पानी के नमूने लिए गए। जिन्हें जांच के लिए श्रीराम लैबोरेट्री भेजा जाएगा।

सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि आज नोएडा प्राधिकरण की टीम और श्री राम टेस्टिंग लैबोरेट्री कंपनी की टीम सेक्टर 51 नोएडा में पानी की टेस्टिंग के लिए पानी के सैंपल कलेक्ट करने पहुंची।

नोएडा प्राधिकरण की टीम के साथ सेक्टर-51 के निवासी और आरडब्लूए की टीम की मौजूदगी में 10 जगह से सैंपल भरवा कर टेस्टिंग के लिए भिजवाए गए हैं। हम हर ब्लॉक से दो-दो सैंपल भरवा हैं और एक सैंपल पानी की टंकी से लिया गया है।

एहसान फरामोशी

तुर्किये 'एहसान फरामोशी' का सबसे बदनाम उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किये में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, करीब 40,000 लोग मारे गए थे, इमारतें 'मिट्टी-मलबा' हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने उसे मानवीय दायित्व समझा और पूरा अभियान चलाया। हमारे एनडीआरएफ के जवानों ने दबी हुई जिंदगियों को प्राण देने की कोशिश की, डॉक्टरों ने कई कमाल किए और भारत ने तुर्की अवाम के लिए भोजन-पानी के बंदोबस्त किए। बेशक तुर्किये एहसान न माने, लेकिन वह 'एहसान फरामोश' क्यों हुआ? भारत-पाक के हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान उसने पाकिस्तान का साथ दिया, 350 से अधिक ड्रोन सप्लाई किए, समुद्री जहाज तक भेजा और सैनिक भी उस संघर्ष का हिस्सा बने। चूंकि सैन्य कार्रवाई के दौरान तुर्किये के 2 'ड्रोन ऑपरेटर' मारे गए, लिहाजा तुर्की सैनिकों की मौजूदगी की पुष्टि होती है। तुर्किये ने पाकिस्तान के समर्थन में बयान भी दिए। आखिर तुर्किये भारत-विरोधी क्यों हुआ? बहरहाल भारत की राष्ट्रीय प्रतिक्रिया यह सामने आई है कि टूर-ट्रैवल कंपनियों, औद्योगिक संगठनों, विश्वविद्यालय और सामाजिक-राजनीतिक संगठनों ने तुर्किये पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' कर दी है। करीब 250 फीसदी टूर और बुकिंग रद्द करवा दी गई हैं। तुर्किये और अजरबैजान जाने वाले पर्यटकों की बुकिंग में 60 फीसदी गिरावट आई है। यह सिलसिला अभी जारी है। ट्रैवल कारोबार से जुड़ी कंपनियों का आकलन है कि करीब 5000 करोड़ रुपए का नुकसान तुर्किये को होगा। 2024 में 3.30 लाख से अधिक भारतीय पर्यटक तुर्किये गए थे और करीब 2.43 लाख सैलानी अजरबैजान घूमने गए थे। छोटी और सीमित अर्थव्यवस्थाओं के लिए पर्यटकों की ये संख्या कम नहीं है। सेब, संगमरमर और अन्य सामान आयात करना व्यापारियों ने खुद ही बंद कर दिया है। 2023-24 में तुर्किये को हमने 3885 वस्तुओं का निर्यात किया और 2482 वस्तुओं का आयात भी किया, लेकिन अब बहिष्कार करने और पाबंदी लगाने की मांगें हुंकारों की तरह बुलंद हैं। 2023-24 में भारत ने तुर्किये से करीब 821 करोड़ रुपए के सेब खरीदे थे। राजस्थान और महाराष्ट्र में सबसे अधिक संगमरमर, करीब 14 लाख टन, तुर्किये से ही आयात किया जाता है। भारत और तुर्किये के बीच वित्त वर्ष 2024 में द्विपक्षीय व्यापार 10.4 अरब डॉलर का हुआ था। 2000-24 के दौरान तुर्किये ने 240.18 मिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भारत में किया है। गौरतलब यह है कि तुर्किये की कंपनी 'सेलेबी' भारत के 9 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग का काम कर रही हैं। यह बेहद संवेदनशील व्यवस्था है। क्या भारत सरकार उनकी सेवाएं निलंबित करने पर विचार करेगी? दरअसल भारतीय पर्यटकों ने तुर्किये और अजरबैजान की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ रुपए दिए। वहां नौकरियां बढ़ीं, होटल और विमानन क्षेत्र का विस्तार हुआ, भारत में कई परियोजनाओं के अनुबंध तय किए गए, तो तुर्किये की अर्थव्यवस्था ही बढ़ी। अब 'एहसान फरामोश' को दंडित करना ही चाहिए। भारत सरकार स्पष्ट करे कि वह देश के गुस्से और आक्रोश को कितना समर्थन दे रही है? वैसे तो चीन, तुर्किये, अजरबैजान ने भारत-पाक संघर्ष के दौरान दुश्मन का ही समर्थन किया और उसे सैन्य सहयोग भी दिया। भारत ने चीन के सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' और सरकारी न्यूज एजेंसी 'शिन्हुआ' के 'एक्स' अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ज्यों-ज्यों वह तपस्वी उदासीनता की बातें कहता था, त्यों ही त्यों राजा को विश्वास उत्पन्न होता जाता था। जब उस बगुले की तरह ध्यान लगाने वाले (कपटी) मुनि ने राजा को कर्म, मन और वचन से अपने वश में जाना, तब वह बोला- ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नाम हमार एकतनु भाई। सुनि नृप बोलेउ पुनि सिरु नाई॥
कहहु नाम कर अरथ बखानी। मोहि सेवक अति आपन जानी॥
हे भाई! हमारा नाम एकतनु है। यह सुनकर राजा ने फिर सिर नवाकर कहा- मुझे अपना अत्यन्त (अनुरागी) सेवक जानकर अपने नाम का अर्थ समझाकर कहिए॥

दो0- आदिसृष्टि उपजी जबहिं तब उतपति भै मोरि।
नाम एकतनु हेतु तेहि देह न धरी बहोरि॥
(कपटी मुनि ने कहा-) जब सबसे पहले सृष्टि उत्पन्न हुई थी, तभी मेरी उत्पत्ति हुई थी। तबसे मैंने फिर दूसरी देह नहीं धारण की, इसी से मेरा नाम एकतनु है॥

जनि आचरजु करहु मन माहीं। सुत तप तें दुर्लभ कछु नाहीं॥
तप बल तें जग सृजइ बिधाता। तप बल बिष्नु भए परित्राता॥
हे पुत्र! मन में आश्चर्य मत करो, तप से कुछ भी दुर्लभ नहीं है, तप के बल से ब्रह्मा जगत को रचते हैं। तप के ही बल से विष्णु संसार का पालन करने वाले बने हैं॥ (क्रमशः...)

क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के दहले से निकल पाएगा कोई सर्वमान्य हल

भारत में विधायिका-कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका का टकराव अब कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय किए जाने पर पहले तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई गई, वहीं अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कतिपय महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब सर्वोच्च न्यायालय को देना चाहिए। बता दें कि समयसीमा तय किए जाने पर राष्ट्रपति ने सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा है कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है! इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि जब कोई प्रावधान ही नहीं है तब इतना बड़ा न्यायिक अतिरेक कैसे सामने आया जिससे भारत की कार्यपालिका और विधायिका में भूचाल आ गया।

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्जनाधिक नीतिगत सवाल उठाए हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। याद दिला दें कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ था, जो अब भी विभागीय शीत युद्ध के रूप में जारी है। इसी का परिणाम है कि अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और साफ साफ कहा है कि जब देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो फिर सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। वहीं यदि विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा था कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा। यही वजह है कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल पूछे हैं, जो इस प्रकार हैं-

पहला, राज्यपाल के समक्ष अगर कोई विधेयक पेश किया जाता है तो संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनके पास क्या विकल्प हैं? दूसरा, क्या राज्यपाल इन विकल्पों पर विचार करते समय मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे हैं?

तीसरा, क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा लिए गए फैसले की न्यायिक समीक्षा हो सकती है? चतुर्थ, क्या अनुच्छेद 361 राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों पर न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह से रोक सकता है? पांचवां, क्या अदालतें राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों की समयसीमा तय कर सकती हैं, जबकि संविधान में ऐसी कोई समयसीमा तय नहीं की गई है? छठा, क्या अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा लिए गए फैसले की समीक्षा हो सकती है? सातवाँ, क्या अदालतें अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा फैसला लेने की समयसीमा तय कर सकती हैं?

आठवां, अगर राज्यपाल ने विधेयक को फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया है तो क्या अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की सलाह लेनी चाहिए? नवम, क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः अनुच्छेद 200 और 201 के तहत लिए गए फैसलों पर अदालतें लागू होने से पहले सुनवाई कर सकती हैं। दशम, क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों में बदलाव कर सकता है? ग्यारह, क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के बिना राज्य सरकार कानून लागू कर सकती है?

बारह, क्या सुप्रीम कोर्ट की कोई पीठ अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या से जुड़े मामलों को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच को भेजने पर फैसला कर सकती है? तेरह, क्या सुप्रीम कोर्ट ऐसे निर्देश/आदेश दे सकता है जो संविधान या वर्तमान कानूनों मेल न खाता हो? चौदह, क्या अनुच्छेद 131 के तहत संविधान इसकी इजाजत देता है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच विवाद सिर्फ सुप्रीम कोर्ट ही सुलझा सकता है?

दरअसल, ये ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब देने में सुप्रीम कोर्ट को काफी माथापच्ची करनी होगी। क्योंकि ये सवाल उसी नौकरशाही द्वारा तैयार किये गए होंगे, जिसका परोक्ष शिकंजा खुद कोर्ट भी महसूस करता आया है और इससे निकलने के लिए कई बार अपनी छटपटाहट भी नहीं छिपा पाता है। इसलिए सुप्रीम जवाब का इंतजार अब नागरिकों और सरकार दोनों को है, ताकि एक और 'लीगल पोस्टमार्टम' किया जा सके। इसलिए लोगों के जेहन में यह बात उठ रही है कि क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के दहले से निकल पाएगा कोई सर्वमान्य हल? - **कमलेश पांडेय**
वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक)

ऐसी हो शहर की सरकार (व्यंग्य)

वोटर मंथन से चुनाव जीतकर, समाजसेवी बंदे जब शहर की नई सरकार बनाने के लिए बैठक करते हैं तो उनके दिमाग में तरह तरह के इरादे आते और जाते हैं। आम जनता से किए वादों को भूलते ही नई योजनाएं आपसी कुश्ती करने लगती हैं। सबसे पहली योजना जो उनके मेहनती दिमाग में कुलबुलाती है, हर काम हो, चाहे भ्रष्टाचार मुक्त न हो। कार्य योजना बने लेकिन कार्यन्वित हो न हो। ज्यादातर कामों में पारदर्शिता लाने का जोखिम न लिया जाए। बजट का दुरूपयोग लोकतान्त्रिक परम्पराओं के अनुसार ही किया जाए।

व्यवस्था इतनी अनुशासित हो कि विकास के ठेके अपने खास लोगों को ज्यादा मिलें। जो नए पार्टी पार्षद ठेकेदार बनना चाहें देर न करें। सरकारी विभागों में तालमेल हमेशा की तरह कम रहे। उनके बीच समन्वय स्थापित करवाने की कोशिश करना गुस्ताखी जैसा रहे। तालमेल हो गया तो काम शीघ्र होने लगेंगे, नेतागिरी परेशान हो जाएगी फिर तिकड़मी राजनीति का क्या होगा। ऐसा होना मुश्किल है कि अफसरों और नेताओं की जगह आम जनता की बात सुनी जाए। अगर ऐसा प्रस्ताव पास किया गया कि अफसर महीने में एक बार क्षेत्र का गंभीर दौरा करें, अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई करें तो उनका शरीर भी जोखिम में पड़ सकता है। शहर की सरकार ऐसा कैसे कर सकती है, नहीं कर सकती, बड़ा मुश्किल काम है जी।

शहर की सड़कें सफाई के बिना खुश रहें, उनके गड्ढे यानी स्पीड ब्रेकर सलामत रहें। कुव्यवस्था का दोष बढ़ती गालियों और बदलते वक्त को दिया जाए। चालान करने वाला अधिकारी कभी कभार ही आए और सिर्फ खानापूर्ति करे। पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाना, पौधों की देखभाल करना, पानी देना वगैरा बहुत समय लेने वाला काम है। इसकी जगह शहर की सुन्दरता स्थायी रूप से बढाने के लिए, प्लास्टिक के वृक्ष, पौधे और फूल प्रयोग करने का प्रस्ताव पास हो। भविष्य की सोच वाले विचारों को मौका न मिले।

कल का क्या भरोसा, दुनिया में खतरा बढ़ता जा रहा है। बड़ी ताकतें एक दूसरे को धमका रही हैं। जाने माने प्रवचक, विचारक और लाइफ कोच, आज में जीने की वकालत करते हैं। शहर की प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और कूड़ा समितियां बनाकर अभियान चलाते रहना चाहिए ताकि समय बीतता रहे। शहर की सरकार यह अच्छी तरह समझे कि वास्तविक स्थिति बदलने से आसान है बातें करना, अभियान चलाते रहना, प्रस्ताव पास कर प्रेस नोट छपवाते रहना। एंटी सोशल मिडिया पर सोशल बने रहना।

बढ़ता ट्रैफिक, गलत पार्किंग, पार्किंग की कमी, फुटपाथ पर कब्जा, सार्वजनिक परिवहन की अनुपलब्धता बारे समाज के बुद्धिजीवी लोगों से बात न की जाए क्यूंकि उनके पास सिर्फ सलाह होती है। जो काम होते हैं वे अबुद्धिजीवियों के कारण होते हैं। नशे का धंधा और प्रयोग कम नहीं होता क्यूंकि उसमें कई ताकतें मिलकर काम करती हैं। शहर की सरकार वहां अपनी टांग नहीं अडा सकती। नौजवानों को खेलने को कहा जाता है, खेलने कूदने से भूख लगेगी तो बेरोजगार खाएंगे क्या। पढाई का स्तर उठता नहीं, सरकार को ज्यादा पढ़े लिखों की जरूरत होती नहीं। विज्ञापन खूब चलते हैं जिनमें नारे, जुमले, सुंदर चेहरे सिर्फ लुभाते हैं। बेहतर दुनिया के ख्वाब आते हैं।

व्यवस्था इतनी अनुशासित हो कि विकास के ठेके अपने खास लोगों को ज्यादा मिलें। जो नए पार्टी पार्षद ठेकेदार बनना चाहें देर न करें। सरकारी विभागों में तालमेल हमेशा की तरह कम रहे। उनके बीच समन्वय स्थापित करवाने की कोशिश करना गुस्ताखी जैसा रहे।

शहर की सरकार ऐसी होनी चाहिए, जिसके पार्षद, अधिकारी और कर्मचारियों को यहां वहां फेंके कूड़े को उठवाने, नालियों की बदबू सूंघने, जहां तहां टूटी गलियां और सडकों पर गिरने, शहर के अंधेरे कोनों में ठोकरें खाने जाने की फुर्सत न हो। सरकार का हिस्सा होना आसान नहीं है। एक एक सीट की जीत का जुगाड लगाने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है। मोहल्लों और वार्डों के खास लोग ही चुनकर शहर की सरकार बनाते हैं। जीतकर काबिल हुए नेताओं को पता होता है कि जन सुविधाएं बढ़ाना, एक जैसी सुविधाएं देना आसान नहीं है। इस सन्दर्भ में, नए फैशनेबल कपडे पहनकर, संकल्प लेना और दिलाना आसान है। उन्हें समझ होती है कि आम लोग तो पैदा ही गलत नक्षत्रों में होते हैं, उनका ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत नहीं है।

प्रभावशाली लोग ही फायदा उठाने के लिए अधिकृत होते हैं, उन्हें तंग करने की जुर्रत नहीं होनी चाहिए। अभिनव प्रयोग करने वाले व्यक्ति चुने गए तो स्वस्थ कार्यसंस्कृति को ठेस पहुंच सकती है इसलिए शहर की सरकार का निर्माण करते हुए जातपात, पहुंच और धन का ध्यान रखा जाता है ताकि जानदार आरामदार, शानदार, ईनामदार और महान सरकार बने।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

ज्येष्ठ माह कृष्ण पक्ष षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय, धन हानि, इत्यादि दिखता है। प्रेम, संतान ठीक है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन माफिक समाचार की प्राप्ति नहीं होगी। विवादास्पदक समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यावसायिक विवाद संभव है। कोर्ट-कचहरी से बचें। राजनीतिक हानि हो सकती है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मान हानि के संकेत हैं। यात्रा में कष्ट संभव है। धर्म में अतिवादी न बनें। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बड़ी हानि की तरफ इशारा है। बचकर पार करिएगा। स्वास्थ्य मध्यम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वंय के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में खराब स्थिति हो सकती है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बहुत सारे शत्रु इस समय ऊपर आएंगे। हालांकि नतमस्तक होंगे। जीत आपकी होगी, लेकिन बहुत डिस्टर्बेंस करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। कोई मानसिक बड़ा आघात हो सकता है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
घरेलू विवाद बढ़ सकता है। हृदय से संबंधित, सीने से संबंधित परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति मध्यम है। नाक, कान, गले की बड़ी परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के बड़े संकेत हैं। कई निवेश न करें अभी। अपनों से न उलझें। वाणी पर ध्यान रखें। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बहुत बचकर पार करिएगा। स्वास्थ्य बड़े बुरे तरीके से प्रभावित हो सकता है। प्रेम, संतान भी मध्यम है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला के नेतृत्व में जेवर तहसील पर मध्य प्रदेश भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह जो महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के लिए कुख्यात है के खिलाफ भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में आक्रोशित विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने तहसील परिसर में कार्यकर्ताओं व उपस्थित आम नागरिकों को अपने संबोधन में कहा कि महिला अपमान करने की प्रतियोगिता अक्सर भा0ज0पा0 के विजय शाह जैसे नेताओं में रहती है। हमारे देश की बहादुर बेटियों भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने सेना में उल्लेखनीय योगदान दिया है व अपना एक अलग मुकाम हासिल कर देश की महिला शक्ति को गौरवान्वित किया है। उनके बारे में अभद्र, अमर्यादित एवं अशोभनीय टिप्पणी देश की 75 करोड़ महिलाओं का अपमान है।

संवैधानिक पद पर आसीन विजय शाह द्वारा देश की बेटी का यह अपमान हमारे देश, नारी शक्ति और सेना का अपमान है। सेना की महिला अधिकारी को केंद्र में रखकर राजनितिक मंच से ओछी टिप्पणी करना अक्षम्य अपराध है हम कांग्रेस कार्यकर्त्ता इसका घोर विरोध करते है।

जिला कांग्रेस सचिव सूबेदार सतपाल फौजी ने उपस्थित जनसमूह को यलगार करते हुए कहा कि आज देश में सेना के शौर्य को लेकर आम जनता से लेकर सरकार और पूरा विपक्ष सेना के साथ खड़ा है हमारी सेना ने आजादी के बाद से अब तक पाकिस्तान में घुसकर आर्तकियों को कई बार सबक सिखाया है।

प्रदर्शन के बाद जेवर तहसील में उपजिलाधिकारी महोदय अभय सिंह के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री विजय को बर्खास्त करने व उसके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की है।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से मुकेश शर्मा, सूबेदार सतपाल फौजी, धर्म सिंह बाल्मीकि, सतीश शर्मा, तकी मोहम्मद, श्रुति कुमारी, रिजवान चौधरी, महाराज सिंह नागर, देवेश चौधरी, अरविन्द रेक्सवाल, ओमकार राणा, सुबोध भट्ट, नीतीश शर्मा, सुबोध भट्ट, रमेश बघेल, गौरव वशिष्ठ, तनवीर अहमद, अर्जुन, रोहित, आरिफ खान, धीरा सिंह, राजकुमार शर्मा, विनोद कुमार, रमेन्द्र सिंह, अमित कुमार, राजेश स्वामी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा की संगोष्ठी आयोजित

भदोही (ब्यूरो)। विधानसभा भदोही के अंतर्गत जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में एक राष्ट्र एक चुनाव के संबंधित महत्वपूर्ण विषय पर संगोष्ठी संपन्न हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी तथा कूशल संचालन जिला समन्वयक गोवर्धन राय ने किया पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा पूर्ववर्ती सरकार लगातार मध्यावति चुनाव कराकर देश को राष्ट्र को कमजोर किया जिसका असर जनता के ऊपर सरकार और जनमानस के ऊपर पड़ा सरकार यह चाहती है आप सबके बीच में प्रस्ताव लाकर सिद्ध करके एक राष्ट्र एक चुनाव को पारित किया जाए जो महत्वपूर्ण कदम होगा विपक्ष के लोग सिर्फ अपना जेब भरने का काम किया।

वहीं पर सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी लगातार विकास की धारा को आगे बढ़ते हुए अंतिम व्यक्ति तक काम करने का जो वादा किया उसको पूरा किया ऐसे तमाम विषय पर पूर्व विधायक रविंद्र त्रिपाठी महत्वपूर्ण विषय रखा और सामने बैठी जनता का जनार्दन का मार्गदर्शन किया।

संगोष्ठी में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुध त्रिपाठी भरत राज सिंह अभय राज सिंह संयोजक कुवर प्रमोद चंद्र मोर्या जिले के समन्वयक गोवर्धन राय मनीष पांडेय स्वरूपा बिन्द शेषनारायण पाठक नागंजे उपाध्याय दीपक पाठक संजय सरोज रेशमा बानो अशोक सिंह अजय मोदनवाल महेंद्र पांडेय आरती सिंह निहाला सरोज पंडित सिंह आदि उपस्थित रहे।

भाजपाइयों ने सेना के शौर्य को किया नमन, शान से निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपाइयों द्वारा दादरी विधानसभा के ग्रेटर नोएडा वेस्ट में श्री राधा कृष्ण पार्क से प्रारंभ होकर 7th एवेन्यू गौर सिटी (लगभग 2 किलोमीटर) की पैदल 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' में हजारों लोगों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया।

जिसमें मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री व जनपद गौतमबुद्ध नगर के प्रभारी मंत्री कुँवर बृजेश सिंह रहे। उनके साथ जिला अध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, एम.एल.सी (शिक्षक) श्रीचंद शर्मा, एम.एल.सी नरेंद्र भाटी, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि जिला प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता से हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है, मोदी जी ने जो पाकिस्तान को सबक सिखाया वह हमेशा याद रहेगा। इस वक्त पूरा देश हमारी सेना का अभिनंदन कर रहा है, हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान में आतंकियों को घर में घुसकर मारा है। देशभक्ति से ओतप्रोत इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनकर मैं अत्यंत गर्व की अनुभूति महसूस कर रहा हूं।

जिला अध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा ने कहा तिरंगा यात्रा में लोगों का सेना के प्रति उत्साह जुनून झलका, हाथों में तिरंगा और लबों पर भारत माता की जय की गूंज सुनाई दी, सेना के सम्मान में हर भारतीय मैदान में, तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश की महान सेना के शौर्य और बलिदान को सम्मान देना, मोदी सरकार की राजनितियों को जन-जन तक पहुंचाना तथा आम नागरिकों में देशभक्ति एकता और संगठन के प्रति विश्वास को प्रगाढ़ करना है।

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष व इस तिरंगा यात्रा अभियान के जिला संयोजक राज नागर ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' से भारतीय सेना ने पाकिस्तान के मंसूबो को मिट्टी में मिला दिया, आने वाले समय में जो भारत पर आक्रमण करेगा या भारत की बहन-बेटियों के सुहाग उजाड़ेगा उसका हश्र भी इसी प्रकार होगा। युवा तरुणाई ने इस यात्रा में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

तिरंगा यात्रा अभियान के जिला संयोजक जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा राज नागर, वरिष्ठ नेता सुभाष भाटी, मंडल अध्यक्ष मुकेश चौहान, जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सतेंद्र अवाना, प्रदेश मंत्री युवा मोर्चा अरुण यादव, किसान मोर्चा अध्यक्ष विमल पुंडीर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, महेंद्र नागर, वीरेंद्र भाटी, अर्पित तिवारी, महेश शर्मा, अमरीश प्रमुख, विधायक प्रतिनिधि दीपक यादव, बलराज भाटी, लोकेश त्यागी, देवेंद्र त्यागी, कमलकुमार जैन, नवीन तिवारी, सरदीप नागर, रामकुमार नागर, संगीता तिवारी, रमाकांत शर्मा, गौरव पटेल, रवि भदौरिया, जितेंद्र सैन आदि हजारों की संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

दादरी में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। क्रांति दिवस पर शहीद स्मृति संस्थान द्वारा राव उमराव सिंह प्रतिमा स्थल जीटी रोड दादरी पर आयोजित कार्यक्रम में भारत की आजादी के लिए प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मई 1857 की क्रांति के सभी ज्ञात अज्ञात क्रांतिकारियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य ठाकुर देवेंद्र खटाना ने 84 शहीदों को नमन किया और कहा यह मूर्ति उचित स्थान पर नहीं है, राव उमराव सिंह की मूर्ति दादरी के बस अड्डे पर लगा देनी चाहिए और दादरी नगर पालिका के कमरे में वर्षों से बंद पड़ी अमर शहीद राव उमराव सिंह की दूसरी प्रतिमा को (धूम बाईपास) दादरी के प्रवेश द्वार पर लगा देना चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता किशनचंद शर्मा ने कहा कि शासन प्रशासन के स्तर पर घोर लापरवाही है यदि शीघ्र ही राव उमराव सिंह की दोनों मूर्तियां उचित स्थान पर नहीं लगवाई गई तो देशभक्त लोग स्वयं निर्णय लेंगे।

संस्थान अध्यक्ष राव संजय भाटी ने कहा

कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा में मेट्रो स्टेशनों, पार्कों, सड़कों के नाम 1857 के शहीदों के नाम पर होने चाहिए तथा गौतम बुद्ध नगर जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में मई1857 की क्रांति में शहीद हुए बलिदानियों के नाम, वर्णन के साथ उल्लेख कर उनके शिलापट्ट लगाए जाने चाहिए।

समाज समाजसेवी सुखवीर आर्य ने कहा कि राव रोशन सिंह, राव उमराव सिंह, राव बिशन सिंह, राव भगवंत सिंह दादरी, फत्ता नंबरदार चिठैरा, मजलिस जमीदार लुहारली, हरदयाल सिंह गहलोत नगला समना, करीम बख्श खान तिल बेगमपुर, दरियाव सिंह जुनेदपुर दानहाय देवटा, हरदेव सिंह बील ,सुलेख महावड सहित 84 क्रांतिकारियों को काला आम बुलंदशहर पर फांसी दी गई थी। दादरी के आसपास के गांवों में आग लगा दी गई थी। बहुत सारे गांव उजाड़ दिए गए दादरी क्षेत्र ने सबसे ज्यादा दमन झेला है, हजारों क्रांतिकारियों को काला पानी की सजा दी गई लेकिन शासन प्रशासन शहीदों के सम्मान की अनदेखी कर रहा है और वर्षों से जन भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। इस अवसर पर विजेंद्र नागर, डॉ सुधीर गॉड, एड संजीव वर्मा, देवराज नागर, भीम सिंह सिरसा, अनीस अहमद, ओमप्रकाश गांधी, रकम राठी ,आदेश मायचा, महेश विधूड़ी, श्रीभगत, जितेंद्र भाटी, अहमद भाई, भगत सिंह गढ़ी, अशोक भड़ाना, मोमिन भाई आदि प्रमुख लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

एओए की शिकायत मुख्यमंत्री से की

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-75 स्थित गोल्फ सिटी प्लॉट नंबर 8 में एओए द्वारा सेक्टरवासियों को परेशान किया जा रहा है। यह आरोप लोजपा के नेता अमरेश श्रीवास्तव ने लगाया है।

उन्होंने कहा कि सोसाइटीवासियों के पैसे का दुरूपयोग एओए द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पैसे का कभी भी हिसाब किताब नहीं दिया जाता और जब भी सोसायटी के लोग पैसे के हिसाब किताब की बात करते हैं तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती है। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार एओए के पदाधिकारियों से बात की लेकिन वह लोग सेक्टरवासियों के पैसों का हिसाब देने के लिए तैयार नहीं है।

उन्होंने मामले की शिकायत पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है। उन्होंने कहाकि यदि मामले की जांच नहीं हुई तो हम सभी सेक्टरवासी धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

रानी अहिल्या बाई भगवान शिव की सच्ची उपासक थीं : शर्मा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रानी अहिल्या बाई की त्रिशताब्दी जन्म जयंती व संगठन के आगामी व अन्य विषय कार्यक्रमो को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया।

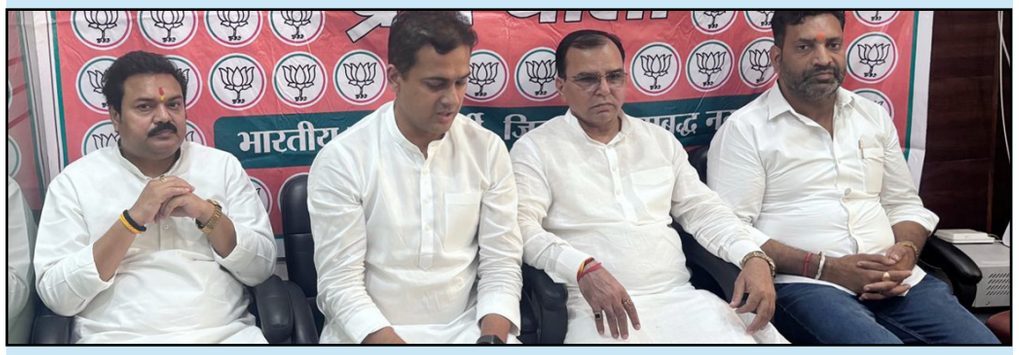

मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा सुभाष भाटी दीपक भारद्वाज इन्द्र नागर मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य रवि जिन्दल वीरेन्द्र भाटी मन वीर नागर अशोक रावल आदि मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया कि रानी अहिल्या बाई का जीवन भारतीय संस्कृति को बढ़ाने में लगाया वो भगवान शिव सच्ची की उपासक थी उन्होंने मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया केदार नाथ से लेकर बाबा काशी विश्व नाथ मंदिर के साथ देवालयों को सुधारा 31 मई को जन्म के तीन सो वर्ष पूरे होने पर पार्टी के द्वारा पूरे देश में कार्यक्रम किये जा रहे हैं जिसमें प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को शामिल कर जिसमे अधिवक्ता डॉक्टर इन्जीनियर पत्रकार शिक्षक और स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राएँ विचार गोष्ठी में भाग लेंगे जिससे उनके जीवन के विषय में जन जन को जानकारी मिले और उन्होंने कहा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में दौड़ का आयोजन मठ मंदिर नदियों के किनारे पर साफ़ सुथरा करने के कार्य में सभी कार्यकर्ता जुटेंगे।

करन कौशिक बने अध्यक्ष

दादरी। राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ भारत ने पंडित करन कौशिक को युवा प्रकोष्ठ दादरी नगर पालिका का अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन ने उनकी मजबूत पकड़ और समाज के लोगों के बीच लोकप्रियता को देखते हुए संगठन के राष्ट्रीय कार्यकर्ताओं ने यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों और स्थानीय दिग्गजों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं और उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूती मिलेगी।

जिला नार्को टीम गठित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष वर्मा की अध्यक्षता एवं जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिला कलैक्ट्रेट में जिला स्तरीय एनकौर्ड की टीम का गठन किया गया जिसमें जिला एनसीबी विभाग, सिएमो विभाग, पुलिस विभाग, साइबर विभाग के अधिकारियों के साथ ग्रेटर नॉएडा स्थित नशा मुक्ति केन्द्र हग्स लाइफ हौलिस्टिक को भी इस टीम से जोड़ा गया है।

यह जानकारी नशा मुक्ति केन्द्र प्रबन्ध निदेशक लवलिट पीर ने दी। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान व्यापक तरीके से जिलाध्यक्ष कार्यालय से एक जुट होकर समाज के हर वर्ग में अवैध नशे के इस्तेमाल और तस्करी के विरुद्ध न केवल जागरूकता अभियान को और तेज़ करेंगे बल्कि अवैध नशे की बढ़ती तस्करी को फैलने से रोकने में सम्बन्धित विभागों को हर सम्भव साथ देंगे।

कल होगा प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्र व प्रदेश सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों व मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों के खिलाफ एवं मजदूरों की कई मांगों/ समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर केंद्रीय श्रम संगठनों के राष्ट्रीय आह्वान के तहत संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा गौतम बुध नगर के निर्णयानुसार 20 मई 2025 को प्रात: 11ः00 बजे जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर होने वाले प्रदर्शन की तैयारी के लिए आज 18 मई 2025 को सेक्टर- 8, नोएडा सीटू कार्यालय पर सीटू कार्यकर्ताओं की बैठक जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक की जानकारी देते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि 20 मई 2025 को कारखानों के गेट, औद्योगिक इलाकों और स्थानीय स्तर पर प्रदर्शन करने के बाद प्रात: 11ः00 बजे जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर बड़ा प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार को 9 जुलाई 2025 को होने वाली हड़ताल का नोटिस/ मांगों- समस्याओं का ज्ञापन पत्र दिया जाएगा।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने किया छात्रा को सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। तुगलपुर गांव निवासी छात्रा आयुषी आर्य सीबीएसई बोर्ड की कक्षा दसवीं की परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय देते हुए क्षेत्र एवं गांव का नाम रोशन किया है।

आयुषी के पिता आर्य कुमार ने अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की है। आयुषी को 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर भारतीय जनता पार्टी के ग्रेटर नोएडा मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी एवं युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुनील पंडित तुगलपुरिया ने छात्रा को सम्मानित किया है।

भाजपा युवा मोर्चा के ग्रेटर नोएडा मंडल अध्यक्ष सुनील पंडित ने कहा कि अभिभावक ऐसी सफलता अपने बच्चों खास तौर पर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

उन्होंने परिवार और क्षेत्रवासियों से अपील किया है कि वह अपनी बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करें।

चारमीनार के करीब लगी भीषण आग में 17 की मौत

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार के पास गुलजार हौज इलाके में रविवार अल सुबह एक रिहायशी और व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। यह घटना हाल के वर्षों की सबसे बड़ी त्रासदियों में गिनी जा रही है। यह आग रविवार 18 मई की सुबह करीब 5:30 बजे लगी, जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। आग की शुरूआत इमारत के

नीचे स्थित मोती की दुकान से हुई और जल्दी ही पूरी बिल्डिंग में फैल गई। धुएं के कारण कई लोग दम घुटने से जान से हाथ धो बैठे। आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड ने घटना स्थल पर 11 दमकल गाड़ियां, रेस्क्यू टेंडर, ब्रोंटो स्काईलिफ्ट और फायर फाइटिंग रोबोट सहित कई संसाधन तैनात किए। घायलों को डीआरडीओ अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। फायर विभाग ने आग के कारण के रूप में शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई है, जिसकी जांच जारी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद घटना पर शोक जताया और मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि हैदराबाद, तेलंगाना में आग की त्रासदी से जानमाल को हुए नुकसान से गहरा दुख हुआ है। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि हैदराबाद के तेज विकास के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत करने की जरूरत है।

खास खबर

अनियंत्रित होकर वैन कुएं में गिरी, पांच की मौत

तूतीकोरिन। तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में आठ लोगों को ले जा रही एक वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई जिससे उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई। वाहन के कुएं में गिरने के बाद तीन लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि यह घटना जिले में सथानकुलम के पास हुई, जब वे कोयंबटूर से एक चर्च कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। मीरानकुलम गांव के पास चालक ने वैन पर से नियंत्रण खो दिया और यह सड़क किनारे बने कुएं में गिर गया। राज्य के सीएम एम के स्टालिन ने मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया और अनुग्रह राशि की घोषणा की है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक उन्होंने पीड़ितों के परिवारों को तीन-तीन लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

सिख दम्पति पर पाकिस्तानी गुंडों ने किया हमला

लंदन। यहां एक सिख दम्पति ने आरोप लगाया है कि उनके परिवार पर पाकिस्तानी गुंडों के एक समूह ने हमला किया तथा इसके बाद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब शहर के मेयर सादिक खान के आदेश के कारण हुआ। अपनी बात को साबित करने के लिए लंदन के एक रेस्टोरेंट मालिक हरमन सिंह कपूर ने कहा कि दो दिन पहले एक पाकिस्तानी को पाकिस्तानी कहने पर शहर की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने उन पर नस्लीय भेदभाव का आरोप लगाया। कपूर ने ट्वीट किया कि कल रात मैंने पाकिस्तानियों के एक समूह द्वारा हमला किए जाने के बाद 999 पर कॉल किया। जब पुलिस आई, तो एक अधिकारी मेरी ओर दौड़ा, जबकि अन्य चिल्ला रहे थे, इसे गिरफ्तार करो! मेरा अपराध? मैंने एक पाकिस्तानी को एक पाकिस्तानी कहा। उन्होंने मुझ पर नस्लीय रूप से उत्तेजित होने का आरोप लगाया- असली हमलावरों पर नहीं। यह सादिक खान के अधीन पुलिसिंग है।

नौसेना का जहाज ब्रिज से टकराया,19 घायल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर में शनिवार को एक बड़ा हादसा होते होते बच गया। ये हादसा उस वक्त हुआ जब मैक्सिकन नौसेना का जहाज निकल रहा था तभी ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। इस जहाज में कुल 227 लोग सवार थे जिसमें से 19 लोग घायल हो गए, जबकि 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की पुष्टि न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने एक प्रेस ब्रीफिंग में की है। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात 8:26 बजे हुई, जब जहाज ब्रुकलिन ब्रिज के नीचे से गुजरने का प्रयास कर रहा था।न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, दुर्घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक सभी घायलों की पहचान उजागर नहीं की गई है, लेकिन सभी चोटें जहाज पर सवार लोगों को ही आई हैं। हादसे की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। टक्कर के समय जहाज के ऊपरी हिस्से पर कई सफेद ड्रेस में नाविक मौजूद थे, जो टक्कर लगते ही नीचे गिरने लगे।

वकीलों और भीम आर्मी कार्यकर्ताओं में झड़प

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर हाईकोर्ट बेंच परिसर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। मूर्ति लगाने की मांग को लेकर पहुंचे भीम आर्मी कार्यकर्ताओं और वकीलों के बीच कहासुनी हाथापाई तक पहुंच गई। देखते ही देखते हाईकोर्ट परिसर रणभूमि में बदल गया, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद के दौरान एक वकील ने भीम आर्मी के एक कार्यकर्ता के साथ मारपीट की, जिसके बाद वहां मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं और वकीलों के बीच धक्का-मुक्की और नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल को तुरंत मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने परिसर को खाली कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। बताया जाता है

कि कुछ वकील जहां बाबा साहेब की मूर्ति स्थापना का समर्थन कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ बार एसोसिएशन का एक वर्ग कह रहा है कि न्यायालय परिसर को राजनीतिक और वैचारिक मुद्दों से दूर रखना चाहिए। विरोध करने वाले वकीलों का यह भी कहना है कि बिल्डिंग कमेटी के नियमों के अनुसार परिसर में मूर्ति लगाने की अनुमति नहीं है।वहीं, समर्थकों का कहना है कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर संविधान निमार्ता रहे हैं और उनका योगदान अमूल्य है, ऐसे में उनकी मूर्ति का हाईकोर्ट परिसर में होना सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक होगा।

टोरनेडो में तूफान ने पूरी रात मचाई तबाही, 27 की मौत

एजेंसी

टोरनेडो। अमेरिका के टोरनेडो में आए तूफान ने तबाही मचा दी। यहां 27 लोगों की जान चली गई जबकि हजारों लोग बेघर हो गए। मिडवेस्ट और साउथ के राज्यों में आधी रात को आए इस काल ने कम से कम 27 लोगों की जान ले ली। हर तरफ तबाही के सबूत बिखरे पड़े हुए थे। अमेरिकी दक्षिणी राज्य केंटकी और मिसूरी मानों पूरी तरह से उजड़ गए हैं। हजारों-लाखों लोग बेघर हो गए है। गवर्नर एंडी बेशर ने बताया कि उनके राज्य में 18 लोगों की मौत हुई, जिसमें 17 मौतें लॉरिल काउंटी में और एक पलास्की काउंटी में हुई। मिसूरी में सात लोगों की जान गई, जबकि उत्तरी वर्जीनिया में दो लोगों की मौत पेड़ गिरने से हुई। केंटकी में 10 लोग गंभीर हालत में अस्पताल

में भर्ती हैं। यूएस 17 मई, 2025 को आए तूफान में किम्बर्ली वेल्स अपने घर को हुए नुकसान के बाद अपने सामान को खंगाल रही हैं। वेल्स के कई दोस्त और परिवार के सदस्य तूफान के अगले दिन नुकसान की सफाई में मदद करने के लिए पहुंचे थे। हलॉरिल काउंटी में टोरनेडो ने घरों को तहस-नहस कर दिया। लंदन की रहने वाली कायला पैटरसन ने बताया कि वह अपने पति और पांच बच्चों के साथ बेसमेंट में टब में छिप गई थीं। उन्होंने कहा, दूर से चीजें टूटने और कांच चटकने की आवाजें आ रही थीं। ऐसा लग रहा था कि मालगाड़ी पटरी पर आवाज करती जा रही है। मेरे घर को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आस पड़ोस के घर आंधी में ध्वस्त हो गए। शेरिफ के कार्यालय ने रातभर और सुबह तक बचे लोगों की खोज की। एक स्थानीय हाई स्कूल में आपातकालीन आश्रय बनाया गया। ग्रोवर फिशबेक एक कमरे के दरवाजे के चौखट पर खड़े होकर किम्बर्ली वेल्स के घर को हुए नुकसान को देख रहे हैं, जब मोर्गनफील्ड, केंटकी में तूफानों की एक श्रृंखला आई थी। मिसूरी में सेंट लुइस की मेयर कारा स्पेंसर ने बताया कि उनके शहर में पांच लोगों की मौत हुई। शुक्रवार को टोरनेडो में 38 घायल हुए और 5,000 से अधिक घर तबाह हो गए। उन्होंने कहा, यह तबाही दिल तोड़ने वाली है। सबसे प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लागू है।

हजारों महिलाओं से लाखों की ठगी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में लघु उद्योग योजना के नाम पर 2250 महिलाओं से करीब 33 लाख रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि एक एनजीओ के नाम पर महिला उत्थान समिति बनाकर गांव-गांव से महिलाओं को जोड़ा गया और उन्हें स्वरोजगार का सपना दिखाकर पैसे वसूले गए। यह मामला थाना जारचा क्षेत्र के ततारपुर गांव की रहने वाली रेखा रानी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद सामने आया है। पीड़िता के अनुसार, पड़ोसी गांव चौना निवासी फतेह सिंह ने उसका परिचय बागपत के रहने वाले जितेंद्र, रविंद्र और सौरभ जैन से कराया था। इन लोगों ने खुद को केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त महिला उत्थान समिति का सदस्य बताते हुए लघु उद्योग योजना शुरू करने की बात कही थी।

गाजा में रातभर हुए इजराइल हवाई हमलों में 66 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा। गाजा में बीती रात और रविवार को इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमलों में कम से कम 66 नागरिकों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय अस्पतालों और चिकित्सकों ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 लोगों के शव मिले हैं, जो मुवासी क्षेत्र में विस्थापित परिवारों के घरों व तंबुओं पर रात भर हुए इजराइली हवाई हमलों में मारे गए हैं। रिपोर्ट में स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक उत्तरी गाजा में हुए कई हमलों में कम से कम 36 लोग मारे गए। मृतकों में एक ही परिवार के नौ लोग शामिल हैं, जिनकी मौत जाबालिया शरणार्थी शिविर में उनके घर पर हुए हवाई हमले में हुई। गाजा के नागरिक सुरक्षा बल के मुताबिक एक और हमला जबालिया में हुआ, जिसमें सात बच्चों और एक महिला समेत 10 लोगों की मौत हो गई।

कांस्टेबल की मौत के बाद मुठभेड़ में एक गौ तस्कर की मौत, दो घायल

एजेंसी

लखनऊ। जौनपुर जिले में गौ तस्करों के पिकअप वाहन से कुचले जाने पर हेड कांस्टेबल की मौत के बाद पुलिस ने मुठभेड़ में एक गौ तस्कर को मार दिया है, जबकि उसके दो साथियों के पैरों में गोली लगी है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि डीजीपी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जौनपुर जिले में चलाए जा रहे अभियान के तहत चंदवक थाने प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह पुलिसकर्मियों के साथ शनिवार रात आजमगढ़-वाराणसी मार्ग पर जा कर रहे थे, तभी गौ तस्कर एक पिकअप में सवार होकर वाराणसी जा रहे थे। पुलिस बल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन लोगों ने अपना वाहन पुलिस पर चढ़ाने की कोशिश की और इस दौरान पिकअप वाहन में सवार लोग हेड कांस्टेबल दुर्गेश कुमार सिंह को टक्कर मारते हुए भागने लगे। डीजीपी के मुताबिक इस घटना के बाद पुलिस बल सक्रिय हो गया और जिले की एसओजी टीम ने पिकअप का पीछा किया। इस बीच गंभीर रूप से घायल हेड कांस्टेबल को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में चंदवक थाने में पिकअप वाहन और अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दिल्ली में खुला पहला ब्रेन हेल्थ क्लिनिक

नई दिल्ली। दिल्ली में पहला ब्रेन हेल्थ क्लिनिक शुरू हो गया है। ब्रेन हेल्थ क्लिनिक एक विशेष चिकित्सा केंद्र है जिसमें मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों का इलाज और देखभाल की जाती है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि यह क्लिनिक द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में खोला गया है और इसका उद्घाटन दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि इस क्लिनिक का उद्देश्य अगले एक साल में जिला स्तर पर लोगों को तंत्रिका संबंधी इलाज उपलब्ध कराना है। एक बयान में कहा गया कि भारत की मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल के तहत नीति आयोग के समर्थन और तकनीकी सहयोगी मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान की मदद से शुरू किए गए।

औद्योगिक केंद्रों के लिए नई रेलवे कनेक्टिविटी का निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली । वी. सोमन्ना, माननीय राज्य मंत्री (रेलवे एवं जल शक्ति) ने तुमकुर - चित्रदुर्ग - दावणगेरे नई रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत निमार्णाधीन थिम्मराजनहल्ली रेलवे यार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित थिम्मराजनहल्ली गुड्स शेड, सीबीआईसी-टीआईटीएल इंडस्ट्रियल पार्क को रेलवे कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापार करने में आसानी बढ़ाने और लॉजिस्टिक लागत घटाकर औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देने की

प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मंत्री ने कहा कि उद्योगों को गति शक्ति कार्गो टर्मिनल स्थापित करने के लिए पूर्ण समर्थन दिया जाएगा और उन्होंने औद्योगिक नेताओं से इस पहल में सहयोग करने का आह्वान भी किया। चेन्नई - बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे (इंडस्ट्रियल कॉरिडोर) के अंतर्गत, तुमकुर के वसंत नरसापुरा में एक औद्योगिक केंद्र विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने 2023 में इस परियोजना के पहले चरण की आधारशिला रखी थी। इस पहल से लगभग 90,000 रोजगार के अवसर सृजित होंगे और 7000 करोड़ का निवेश आकर्षित होगा। श्री सोमन्ना ने यह भी कहा कि रेलवे क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को पूर्ण समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने औद्योगिक नगर को रेलवे कनेक्टिविटी देने की योजना का भी अवलोकन किया।

कांग्रेस संगठनात्मक सृजन के लिए दया शंकर पाण्डेय बनाए गए कोऑर्डिनेटर

एजेंसी

मिर्जापुर। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी दया शंकर पाण्डेय को कांग्रेस संगठनात्मक संरचना के लिए भदोही जिले के जिला कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। श्री पाण्डेय सन 1983 काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र राजनीति में अखिल भारतीय राष्ट्र छात्र संगठन से जुड़कर राजनीति की शुरूआत करने वाले दयाशंकर पांडेय सन 1989 के विधानसभा चुनाव मेंपहली बार विधानसभाके मतदाता बनकरकांग्रेस पार्टी के प्रत्याशीनरेंद्र देव पांडे जी केचुनाव प्रचार में पर चढ़कर हिस्सेदारी करते हुए संगठनमें19 96 में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नारायणपुरमें महामंत्री के सन 2002 से 2009 तक माता प्रसाद दुबे जी के कमेटी में जिला में जिला सचिव सन 2009 से 2014

तक जिला कांग्रेस कमेटी का महामंत्री 2014 से 2018 तकजिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री प्रवक्ता के रूप में2018 से 15 अक्टूबर 2019 तकजिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष प्रवक्ता के रूप मेंकाम करने का एक लंबा अनुभव रहापांडे जी के काम को देखते हुएउत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी केअध्यक्ष अजय राय नेउन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारीसोपी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा मिजार्पुर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष प्रवक्ता दयाशंकर पांडेय को भदोही जनपद का कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर मिजार्पुर जनपद के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं खुशी जाहिर करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी लोकसभा में विपक्ष के नेता भारत के भविष्यआदरणीय राहुल गांधी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सम्मानित प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चार जिला अध्यक्षों के कार्यकाल में जिला कार्यकारिणी का महत्व पूर्ण पदाधिकारी रहते हुए पूरे समर्पण के साथ पार्टी एवं नेतृत्व के लिए एक निष्ठ होकर काम करने वाले कुशल संगठक पांडेय जी को कोआर्डिनेटर बनाया जाना निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने वाला साबित होगा।

महिला को बचाने नहर में सिपाही ने लगाई छलांग

गाजियाबाद। गाजियाबाद में आत्महत्या का प्रयास कर रही महिला को बचाने के लिए हिंडन नहर में छलांग लगाने वाले एक यातायात पुलिस कांस्टेबल की डूबने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक अंकित तोमर (20) को गोताखोरों द्वारा कीचड़ भरी नहर से बाहर निकालने के बाद नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक घटना तब हुई जब वैशाली सेक्टर-2 में रहनी वाली और मूलरूप से सरधना, मेरठ की रहने वाली 23 साल की आरती ने हिंडन नहर में छलांग लगा दी। डीसीपी ने बताया कि पास में ही ड्यूटी पर मौजूद यातायात उप निरीक्षक धर्मेंद्र और सिपाही अंकित तोमर ने आरती को बचाने के लिए तुरंत नहर में छलांग लगा दी।

सेक्स और ड्रग्स के बहाने ब्लैकमेलर के चंगुल में फंसे एलन मस्क

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सलाहकार एलन मस्क की जिंदगी में रूस की खुफिया एजेंसी की घुसपैठ की रिपोर्ट सामने आई है। पूर्व एफबीआई एजेंट ने दावा किया है कि रूसी खुफिया एजेंसियां मस्क की सेक्स और ड्रग्स की आदतों का इस्तेमाल कर उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की। उसने यह भी दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को इस साजिश का पूरा पता था। जर्मन प्रसारक जेडीएफ द्वारा प्रसारित एक डॉक्यूमेंटरी में पूर्व एफबीआई काउंटरइंटेलिजेंस एजेंट जोनाथन

बुमा ने दावा किया कि रूसी खुफिया एजेंसियों ने अरबपति एलन मस्क को सेक्स और ड्रग्स के शौक का फायदा उठाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद मस्क और पेटीएम के सह-संस्थापक पीटर थिएल पर रूसी जासूसों की नजर थी। बुमा के अनुसार, रूसी एजेंटों ने मस्क की यौन और नशीली दवाओं की लत, खासकर केतामाइन के इस्तेमाल को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि मस्क का बर्निंग मैन जैसे इवेंट्स, एडल्ट इंटरटेनमेंट और जुए में दिलचस्पी उन्हें ऐसी जासूसी कोशिशों के प्रति संवेदनशील बनाती है। बुमा ने दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस ऑपरेशन के बारे में जानते थे। उन्होंने कहा, अगर रूसी राष्ट्रपति को इसकी जानकारी नहीं होती और उनकी मंजूरी नहीं मिलती, तो एजेंट इस तरह की ब्लैकमेल योजना में शामिल नहीं होते।

पृष्ठ एक के शेष....

अखिलेश ने दिया....

आप यदि एकांत में बैठकर अपने विगत वर्षों के व्यवहार, विचार और व्यक्तित्व का निष्पक्ष अवलोकन-आलोचन करेंगे तो पाएंगे कि मूल रूप से आपके विचारों में पहले कभी भी ऐसा विचलन न था, न ही आपकी राजनीतिक आकांक्षाएं ऐसी थीं कि आप व्यक्तिगत स्तर पर आदर्श को भूल जाएं और अपना शाब्दिक संतुलन खो बैठें। आशा है इस बात को यहीं खत्म समझा जाएगा और राजनीति की शुचिता को बचाए-बनाए रखने के लिए आप नकारात्मक राजनीति की संगत से यथोचित दूरी बनाकर अपने विवेक और विचार को पुन: सही दिशा की ओर मोड़ेंगे। एक जनसेवक होने के नाते हम सबके पास जनसेवा के लिए वैसे भी समय हमेशा कम रहता है, ऐसे में व्यर्थ के विषयों में न उलझकर हमें सकारात्मक राजनीति के उद्देश्यों पर अडिग रहकर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

विवाद कब शुरू हुआ

दरअसल, समाजवादी पार्टी मीडिया सेल नाम के एक्स हैंडल से 16 मई को एक पोस्ट किया गया, जिसमें यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को लेकर बेहद ही आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था. इस पोस्ट में ब्रजेश पाठक के DNA पर सवाल उठाते हुए अमर्यादित भाषा प्रयोग की गई थी. जिसको लेकर ब्रजेश पाठक ने आपत्ति जताई और सपा मुखिया अखिलेश यादव से पूछा- ये आपकी पार्टी की भाषा है? ये आपकी पार्टी का आफिशियल हैंडल है। किसी के दिवंगत माता-पिता के लिए शब्दों का ये चयन है? लोकतंत्र में सहमति-असहमति-आरोप-प्रत्यारोप सब चलते आए हैं और चलते रहेंगे पर आप अपनी पार्टी को इस स्तर पर ले आएंगे? क्या डिंपल जी इस स्त्री विरोधी और पतित मानसिकता को स्वीकार करेंगी?

पाठक के वकील ने भेजा नोटिस

समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल द्वारा उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर ब्रजेश पाठक के वकील प्रशांत सिंह अटल का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि सपा के ट्वीट में अपमानजनक, अमर्यादित भाषा है। इसके लिए 'अखिलेश यादव, मीडिया सेल, प्रदेश अध्यक्ष को नोटिस दिया गया है। मैंने तीनों लोगों को मानहानि का नोटिस भेजा है। अगर 15 दिन में माफी नहीं मांगी तो केस दर्ज कराएंगे।

नोएडा में संघ के....

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती विमलाबाथम, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, संजय बाली , फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, डॉक्टर अनिल त्यागी, प्रोफेसर मधुसूदन दादू, वेदपाल जी, विभाग कार्यवाहक विनोद कौशिक, विभाग के बौद्धिक प्रमुख पदम जी, महानगर प्रचारक सुमित नागर, कार्यवाह अनिल, महानगर शारीरिक शिक्षण प्रमुख अंकित शर्मा आशु, महानगर बौद्धिक प्रमुख सती, व्यवस्था प्रमुख रजनीश, नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन, भाजपा नेता हरिश्चंद्र भाटी, डॉ बी एस चौहान, युद्धवीर चौहान, गणेशस जाटव, डॉ. नरेश शर्मा, करतार सिंह चौहान, धर्मेंद्र चौहान, भूपेश चौधरी, प्रज्ञा पाठक, रचना जैन समेत संघ तथा भाजपा के सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

कलयुगी माँ ने....

जांच में पता चला कि महिला का गांव के एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसमें उसका बच्चा बाधा बन रहा था, इसलिए उसे रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। फिलहाल, पुलिस ने मृतक बच्चे के पिता की शिकायत पर हत्यारोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है।

दरअसल, पूरा मामला कानपुर के नरवाल इलाके का है जहां रहने वाले सुशील की फतेहपुर के खागा निवासी मनीषा से शादी हुई थी। दोनों के 4 साल का एक मासूम बच्चा था। इधर कुछ दिनों पहले मनीषा का गांव के ही एक युवक से प्रेम संबंध हो गए थे। पति सुशील ने एक बार उसको प्रेमी के साथ पकड़ भी लिया था और जमकर फटकार लगाई थी, लेकिन मनीषा नहीं सुधरी।

प्रेमी के प्यार में पागल मनीषा एक महीने पहले उसके साथ घर छोड़कर फरार हो गई थी। पति ने प्रेमी के घर वालों पर दबाव बनवाकर किसी तरह मनीषा को दोबारा अपने घर बुलाया। तीन दिन पहले ही मनीषा अपने बच्चे के साथ उसके पास लौटकर आई थी। घर में आने पर सुशील ने मनीषा को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि अगर तुझे भागना ही था तो मेरे बेटे को क्यों ले गई थी।

मनीषा मन ही मन पति की बातें सुनती रही और उसने ठान लिया बच्चे की वजह से उसके प्रेम प्रसंग में दिक्कत आ रही है, इसलिए अब बच्चे को रास्ते से हटाना होगा. ऐसे में रविवार की शाम को उसने अपने बेटे अनिरुद्ध का गला उसके गले में पड़े ताबीज से कस दिया। बच्चे को मारने के बाद उसने उसके शरीर पर कई जगह दांतों से काटा। फिर डेड बॉडी को चादर में लपेटकर ऊपर के कमरे में लेटे बाबा फूल सिंह के बगल में लिटा दिया।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

आईपीएल से अब तक बाहर हुई चार टीमें

बेंगलुरु। बारिश के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला रद्द होने से अंक तालिका में प्रभाव पड़ा है और चार टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। मुकाबला रद्द होने से दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला है। इससे आरसीबी ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाएं बढ़ी हैं। वहीं कोलकाता की टीम तकरीबन बाहर हो गयी है। इस प्रकार कोलकाता की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली सत्र की चौथी टीम बन गई। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीमें पहले ही बाहर हो गयीं थीं। आरसीबी अब रद्द मुकाबले से एक नंबर लेकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। उसके अब तक 12 मैचों में 8 जीत, 3 हार और एक बेनतीजा मैच के साथ 17 अंक हो गए हैं। वहीं, गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 8 जीत और 16 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है।

हरभजन के बयान पर विराट के प्रशंस नाराज

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। अब हरभजन विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी को लेकर दिये अपने पेड फैन्स वाले बयान से विवादों में आ गये हैं। इससे विराट के प्रशंसक इरभजन पर भड़के हुए हैं। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर विराट के प्रशंस हरभजन पर निशाना साधने में लगे हैं। असल में हरभजन ने आरसीबी और केकेआर मैच में कमेंट्री के दौरान कहा कि धोनी धोनी जब तक चाहें आईपीएल खेल सकते हैं। हरभजन ने ये बात तक कही जब लोग चर्चा कर रहे थे कि धोनी अगला आईपीएल भी खेल सकते हैं। इस पर कोहली ने कहाकि केवल धोनी ही हैं, जिनके पास रियल फैन बेस हैं। बाकी लोगों के पास तो पेड फैन्स और पीआर हैं।इसपर हरभजन ने कहाकि वास्तव में धोनी के ही प्रशंसक हैं। बाकी लोगों के तो बस सोशल मीडिया पर ही प्रशंसक हैं। इसके बाद कहा कि ये प्रशंसक तो अक्सर पेड फैन्स ही होते हैं।

अभिमन्यु ईश्वरन बने इंडिया ए के कप्तान

मुम्बई। अभिमन्यु ईश्वरन को अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस दौर लिए पूर्व ऑलराउंडर ऋषिकेश कानितकर को मुख्य कोचा बनाया है जबकि दत्ता गेंदबाजी व जॉयदीप भट्टाचार्य फील्डिंग कोच होंगे। इस दौरे में वाली इंडिया ए टीम तीन मैच खेलेगी। इसमें दो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होंगे। पहला 30 मई से 2 जून तक कैंटरबरी में जबकि दूसरा 6 से 9 जून तक नॉर्थम्टन में खेला जाएगा। इसके बाद इंडिया ए भारतीय टीम के साथ एक अभ्यास मैच भी खेलेगी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए खिलाड़ियों के पहले जत्थे के साथ इंग्लैंड पहुचेंगे। इंडिया ए के कोच बनाये गये कानितकर ने 146 प्रथम श्रेणी मैचों में 52.26 की औसत से 10,400 रन बनाए हैं! इससे पहले कानितकर भारतीय महिला टीम, के अलावा अंडर-19 टीम के भी कोच रहे हैं।

प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई केकेआर

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 58वें मुकाबले में क्रिकेट प्रेमियों को मायूसी का सामना करना पड़ा। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश के कारण टॉस भी संभव नहीं हो सका और अंततः अंपायरों ने रात्रि 10:24 बजे मैच रद्द करने का निर्णय लिया। बारिश से मुकाबला रद्द होने के चलते दोनों टीमों को 1-1 अंक दिए गए। इस परिणाम ने आरसीबी को 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया, जबकि कोलकाता की

प्लेऑफ की उम्मीदों पर पूर्णविराम लग गया। केकेआर 13 मैच में 12 अंक तक ही पहुंच सकी। एक ओर बेंगलुरु की टीम 17 अंकों के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने के काफी करीब पहुंच गई है। हालांकि उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हुई है, क्योंकि चार टीमों के पास अब भी 17 या उससे अधिक अंक अर्जित करने का मौका है। वहीं, डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैच रद्द होने के बाद मिले एक अंक से करारा झटका लगा है। आईपीएल 2025 का 58वां मुकाबला धुलने के साथ ही डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी टूट गईं। अब कोलकाता नाइट राइडर्स 13 मैच में 5 जीत, 6 हार और 2 मैच का परिणाम नहीं निकलने के साथ 12 अंक लेकर छठे पायदान पर है। इससे पहले मौजूदा सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच भी मुकाबला रद्द रहा था।

कोलकाता में ही खेला जाएगा आईपीएल फाइनल : गांगुली

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल की मेजबानी कोलकाता के ईडन गार्डन की जगह किसी अन्य स्थल को दिये जाने की चचाओं के बीच ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि ये इतना आसान नहीं है। गांगुली के अनुसर बंगाल बोर्ड (कैब) के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अच्छे संबंध हैं। इसलिए उन्हें पूरा भरोसा है कि फाइनल कोलकाता से बाहर नहीं जाएगा। शुरूआत में फाइनल कोलकाता में 25 मई को खेला जाना तय था पर बीच में भारत-पाकिस्तान के बची टकराव के कारण आईपीएल एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। दौबारा शुरू होने पर बोर्ड ने तीन जून को खेले जाने वाले फाइनल के स्थल की जानकारी नहीं दी। ये कहा जा रहा है कि इस दिन कोलकाता में बारिश की संभावना को देखते हुए फाइनल किसी अन्य स्थल पर खेला जाएगा। कैब के पूर्व अध्यक्ष रहे गांगुली से जब पूछा गया कि क्या कोलकाता तय कार्यक्रम के अनुसार ही फाइनल मैच की मेजबानी करेगा तो उन्होंने कहा, ह्यहम प्रयास कर रहे हैं। साथ ही कहा कि है? यह ईडन का प्लेऑफ है, और मुझे भरोसा है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा क्योंकि मैच को अचानक ही किसी दूसरे स्थल पर ले जाना आसान नहीं है। इसी बीच प्रशंसकों ने भी मांग की है कि फाइनल कोलकाता में ही खेल जाना चाहिये। गांगुली ने कहा कि विरोध से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता।

बिना रोहित-विराट के इंग्लैंड में भारत की अग्नि परीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है, लेकिन इस बार टीम इंडिया मैदान पर एक अलग ही रूप में नजर आएगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह पहली बार होगा जब भारतीय टीम इन दोनों दिग्गजों के बिना टेस्ट मुकाबलों में इंग्लैंड से भिड़ेगी। भारत का ऐतिहासिक रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में कमजोर रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 136 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने केवल 35 में जीत दर्ज की है जबकि इंग्लैंड ने 51 मैचों में बाजी मारी है। वहीं, 50 मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि भारत को इंग्लैंड पर पकड़ मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। हालांकि, पिछली सीरीज में भारत ने इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी थी। 2024 की घरेलू सीरीज में भारत ने पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की थी। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल ने बल्ले से कहर बरपाते हुए 712 रन बनाए थे जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 26 विकेट झटके थे। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉली ने 407 रन बनाए और टॉम हार्टले ने 22 विकेट हासिल किए थे। इस बार सीरीज का पहला मुकाबला 20 से 24 जून तक खेला जाएगा, जबकि आखिरी टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच होगा। बाकी टेस्ट मैच क्रमशः 2-6 जुलाई, 10-14 जुलाई और 23-27 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे।वहीं टीम इंडिया के कप्तान को लेकर चचाएं जोरों पर हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार शुभमन गिल को कप्तानी सौंपी जा सकती है। चयन समिति की बैठक 23 या 24 मई तक होने की उम्मीद है। गिल पहले ही लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में उप-कप्तान की भूमिका निभा चुके हैं और उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज में भारत का नेतृत्व भी किया था।

विराट को भारत रत्न दिया जाये : रैना

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को उनकी खेल के प्रति सेवाओं के लिए भारत रत्न दिया जाना चाहिये। रैना ने कहा कि अभी तक खेल जगत से केवल महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को ही साल 2014 में यह सम्मान मिला था। सचिन के बाद किसी और खिलाड़ी को ये सम्मान नहीं मिला है। रैना ने कहा है कि विराट ने भारत और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने बहुत सारी बड़ी जीतें दिलाई हैं और क्रिकेट को आगे बढ़ाने में उनका बहुत बड़ा हाथ है। ऐसे में उन्हें भारत रत्न अवॉर्ड मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विराट ने जितनी उपलब्धि हासिल की है, भारत और भारतीय क्रिकेट के लिए उन्हें जो भी किया है, उसके कारण वह भारत रत्न के अधिकारी हैं। गौरतलब है कि साल 2011 में टेस्ट में डेब्यू करने वाले विराट का करियर उतार-चढ़ाव से भरपूर रहा पर उन्होंने कभी हार नहीं मानी। अपने 14 साल के टेस्ट करियर में उन्होंने हर समय खेल का आनंद लेते हुए जीत के लिए पूरी ताकत लगा दी। उन्होंने कहा कि इस प्रारुप में उन्हें जो खुशी और साथ-साथ जो सबक दिया है, उसे वह जिंदगी भर याद रखेंगे। बता दें कोहली की कप्तानी में भारत ने 68 में से 40 टेस्ट जीते, 17 हारे और 11 ड्रॉ रहे। इससे ये साबित होता है कि कोहली की टीम पहले की भारतीय टीम से काफी अलगा थी।

विराट को अंडर-17 खेलने के समय से जानता हूं : ईशांत

एजेंसी

नई दिल्ली। अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कहा है कि विराट कोहली के साथ वह काफी पहले से हैं। ईशांत ने कहा कि वह विराट को तब से जानते है जब वे दोनो अंडर-17 में साथ खेलते थे। इसके बाद उन्होंने विराट के साथ सीनियर भारतीय टीम में भी खेला था। ईशांत ने कहा, मुझे लगता है कि विराट मेरे लिए स्टार नहीं बचपन के दोस्त हैं। ईशांत ने अपने टेस्ट करियर में 105 मैचों में 434 विकेट लिए हैं। दोनो ने अंडर-19 टीम में बिताए गए दिनों को याद करते हुए कहा कि वे दोनों साथ में कमरे में रहा करते थे। ईशांत ने कहा कि जब हम अंडर-19 में थे, तब हम पैसे गिनते थे कि हमारे पास कितने हैं। हम खाना खाते थे, पैसे बचाते थे। इसलिए विराट हर किसी के लिए अलग हैं पर मेरे लिए वो पहले वाले विराट ही हैं। हाल ही में एक आईपीएल मैच से पहले दोनों को मैदान पर गले मिलते हुए देखा गया था, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई हैं। ईशांत ने बताया कि उनकी और कोहली की मुलाकातों में क्रिकेट की बात कम होती है, और अधिकतर समय हंसी-मजाक और मस्ती होती है। ईशांत ने कहा कि मैंने कभी महसूस नहीं किया कि वो विराट हैं। मेरे लिए वह हमेशा चीकू रहा है क्योंकि हम दोनो लंबे समय से एकसाथ रहे हैं।

रोहित ने मजाकिया अंदाज में प्रशंसक को दिखाया मुक्का

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट प्रारुप से संन्यास लिया है। इसके बाद रोहित का वानखेडे स्टेडियम में सम्मान किया गया। इस दौरान रोहित ने माता पिता के त्याग और बलिदान को भी याद किया। वे समारोह में अपने प्रशंसकों से भी मिले। इस दौरान वह एक प्रशंसक को हंसी-मजाक में मुक्का दिखाते दिखे। इसके अलावा छोटे भाई को डांटने का उनका वीडियो भी वायरल हुआ है। रोहित ने अपने एक प्रशंसक दीपक पटेल के साथ भी हंसी मजाक किया। दीपक को भारतीय झंड लहराते हुए देखकर रोहित ने कुछ समय के लिए उनसे बातचीत की और एक तस्वीर भी खिंचवाई। रोहित जब स्टेडियम में मंच की ओर बढ़ रहे थे तो तभी एक प्रशंसक ने उन्हें आवाज दी।

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में बच्चों की एंट्री मुफ्त

एजेंसी

बारबाडोस । दुनियाभर में टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और इसे बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और तमाम क्रिकेट बोर्ड्स नए-नए कदम उठा रहे हैं। हाल ही में आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पुरस्कार राशि को दोगुना कर दिया है, वहीं अब वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने टेस्ट क्रिकेट को बच्चों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एक अनोखा फैसला लिया है। सीडब्ल्यूआई ने घोषणा की है कि वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान बच्चों को स्टेडियम में प्रवेश के लिए कोई टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा। इस फैसले का मकसद युवा पीढ़ी में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुचि जगाना है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेह्रिंग ने इस पहल की जानकारी देते हुए कहा कि बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल, ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम और जमैका के सबीना पार्क में होने वाले तीनों टेस्ट मैचों के दौरान सभी बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। केंसिंग्टन ओवल में आयोजित डब्ल्यूआई होम फुल आह एनजीं कैपेन के लॉन्च के दौरान डेह्रिंग ने कहा कि यह निर्णय वेस्टइंडीज क्रिकेट की एक नई नीति के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य टेस्ट क्रिकेट को फिर से जीवंत करना है। उन्होंने कहा, ह्यसीडब्ल्यूआई में हम मानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट तक बच्चों की पहुंच एक मानवाधिकार है। यह जरूरी है कि हमारे बच्चे इस पारंपरिक फॉर्मेट से जुड़ सकें और इसके लिए किसी भी प्रकार की वित्तीय रुकावट उनके सामने न हो।ह्व उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को किसी टिकट की जरूरत नहीं होगी, यह उनका अधिकार है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब यह अधिकार बच्चों का है, तो यह माता-पिता, सरकारों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे इस अधिकार को बच्चों तक पहुंचाएं। वहीं, सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में इजाफा होगा और टेस्ट मैचों का माहौल पहले की तरह जोशभरा होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस उम्र तक के बच्चों को मुफ्त प्रवेश की सुविधा मिलेगी।

झारखंड मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन की बैठक

एजेंसी

रांची । रविवार को मोराबादी स्टेडियम रांची में झारखंड मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन का मीटिंग बुलाया गया जिसका अध्यक्षता में सचिव लक्ष्मण राम के द्वारा बुलाया गया मीटिंग 9:00 बजे संपन्न हुई बैठक में कई मुद्दे पर विचार किया गया। आगामी 7 जून 2025 को बेंगलुरु में नेशनल मास्टर एथलेटिक्स फेडरेशन के द्वारा बेंगलुरु में मीटिंग बुलाया गया है जिसमें सचिव लक्ष्मण राम और साथ में एक नेशनल मीटिंग में भाग लेने के लिए 6 जून2025 को रांची से फ्लाइट से बैंगलोर जाएंगे और मीटिंग में शामिल होंगे, राज्य स्तरीय मास्टर खेलकूद प्रतियोगिता नवंबर में करने पर सहमति हुआ जो रांची में होगा डेट बाद में दिया जाएगा। नवंबर में एशियाई मास्टर एथलीट खेलकूद प्रतियोगिता जो इंडिया में ही होने वाला है इस प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ी भी भाग लेंगे और सभी खिलाड़ियों को तैयारी जोर-शोर से सभी खिलाड़ियों को कहा गया जिनका चयन हुआ है । सभी खिलाड़ियों को सूचित किया जा रहा है कि अगले साल फरवरी में केरल में नेशनल मास्टर खेलकूद प्रतियोगिता होने वाला है उसमें जिन खिलाड़ियों ने आई कार्ड नहीं बनाए हैं वह भी जल्द से जल्द बना ले ताकि नेशनल में वह पार्टिसिपेट कर सके। और अन्य विषय के बारे में भी सभी तरह के विचार विमर्श किया गया इस बैठक में निम्नलिखित अधिकारी पदाधिकारी शामिल हुए 1,सचिव, लक्ष्मण राम, 2,अध्यक्ष राजकुमार वाल्मीकि 3 ,लाइव प्रेसिडेंट, पी सी देवगन 4,कोषाध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद साहू 5,उपसचिव राजेंद्र प्रसाद महतो ,जी बाबू देव रामपाल सिंह, संजय राय, श्याम देव महतो, सुरजीत सिंह, संजय चक्रवर्ती, मधु उरांव,राजेंद्र प्रसाद सिल्ली, अनिल महतो ,निरंजन महतो कृष्ण कुमार महतो सिल्ली, पूजा कुमारी, रवि कुमार, अशोक सिंह, निर्मला, आदि अधिकारी एवं खिलाड़ियों ने इस मीटिंग में भाग लिया समापन लाइव प्रेसिडेंट पीसी देवगन के द्वारा किया गया।

2026 में भी आईपीएल खेल सकते हैं धोनी

एजेंसी

नई दिल्ली । महेंद्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल और लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं। 43 साल की उम्र में भी वे मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे हैं। हालांकि आईपीएल 2025 का सीजन उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खास अच्छा नहीं रहा। टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और खुद धोनी का प्रदर्शन भी अपेक्षित स्तर का नहीं रहा। ऐसे में यह चर्चा जोर पकड़ने लगी थी कि क्या यह धोनी का आखिरी सीजन है और क्या वे अब हमेशा के लिए क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। लेकिन एक नई रिपोर्ट ने उनके फैंस के लिए बड़ी राहत की खबर दी है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े सूत्रों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। टीम के भीतर कई ऐसी चीजें हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है और इसके लिए धोनी की अनुभव और नेतृत्व की जरूरत है। यही वजह है कि फ्रेंचाइजी के लोग मानते हैं कि अगर धोनी की फिटनेस ने उनका साथ दिया, तो वह आईपीएल 2026 में भी येलो जर्सी में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि धोनी का मार्गदर्शन टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम है और अभी भी उनकी उपस्थिति ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास भरती है। धोनी से जब एक मुकाबले के बाद पूछा गया कि क्या आईपीएल 2025 उनका आखिरी सीजन होगा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि इस पर वे कुछ समय बाद फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका खेलना पूरी तरह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

इंडिया कप सीजन 3: प्रीमियर टेनिस बॉल क्रिकेट लीग लाखों लोगों को लुभाने के लिए तैयार

- गुजरात के प्रतिष्ठित जमसन क्रिकेट स्टेडियम में होगी लीग
- कई राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली 12 टीमें लीग-कम-नॉकआउट फॉर्मेट में मुकाबला करेंगी

एजेंसी

मुम्बई । इंडिया कप सीजन 3 के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है, यह प्रीमियर टेनिस बॉल क्रिकेट लीग जमीनी स्तर के खेल मनोरंजन में मील का पत्थर स्थापित करने का वादा करती है। 27 मई, 2025 को शुरू होने वाली यह लीग गुजरात के प्रतिष्ठित जमसन क्रिकेट स्टेडियम में होगी और उम्मीद है कि यह पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेगी। टेनिसक्रिकेट डॉट इन और जेवीए ब्रदर्स द्वारा आयोजित यह लीग इसके मालिकों संतोष नानेकर और विजय अग्रवाल का आइडिया है। टेनिस बॉल क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के मिशन के साथ, इंडिया कप सीजन 3 तैयार है। कई राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली 12 टीमें लीग-कम-नॉकआउट फॉर्मेट में मुकाबला करेंगी, महाराष्ट्र स्मार्टनेट, वेस्ट बंगाल द डीजे इलेवन, दिल्ली ऐंड उत्तराखंड धमाका क्लब, केरल सुल्तान ब्रदर्स, गुजरात बालाजी क्लब राजकोट, डी टाइम टाइगर्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट, महाराष्ट्र बी टर्फ एडिक्ट्स, उत्तर प्रदेश टाइगर 11 अमर साई, बिहार पीवीआर करीम 11, पंजाब ऐंड हरियाणा एमयूसीसी, तमिलनाडु मैक्सिमस, मध्य प्रदेश और राजस्थान शिवन्या 11 इंडिया कप सीजन 3 केवल क्रिकेट के बारे में नहीं है बल्कि प्रायोजकों के लिए यह एक पावरहाउस मार्केटिंग प्लेटफॉर्म है। यूट्यूब पर 2 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर, फेसबुक पर 1.5 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स, इंस्टाग्राम पर 500के से अधिक फॉलोअर्स और ट्विटर पर 200 के से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। यह लीग ब्रांडों को व्यापक दर्शकों के साथ जुड़ने का शानदार अवसर देती है। यह लीग ऑफिशियल तौर पर इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग से संबद्ध है, जिसमें रोमांचक आईएसपीएल ओवर फॉर्मेट शामिल है. खेल संचालन में माहिर क्रिकॉन मैनेजमेंट द्वारा इसे हैंडल किया जाएगा। इसका लाईव प्रसारण Tenniscricket.in के यूट्यूब चैनल पर होगा। यहां रोज 8,000 लोगों के आने की उम्मीद है इसके अलावा ऑनलाइन लाखों लोग जुड़ेंगे। इंडिया कप सीजन 3 के कॉर्पोरेट पार्टनर्स और स्पांसर को कई लाभ होंगे, उन्हें डिजिटल और मैदान पर ब्रांड एक्सपोजर मिलेगा। टीम और खिलाड़ी के साथ सहयोग के माध्यम से जुड़ाव के अवसर पैदा होंगे। भारत भर में उत्साही खेल के फैंस से जुड़ने का मौका मिलेगा। स्पांसर शिप संबंधी पूछताछ और साझेदारी के अवसरों के लिए वेबसाइट Tenniscricket.in पर क्लिक करें।

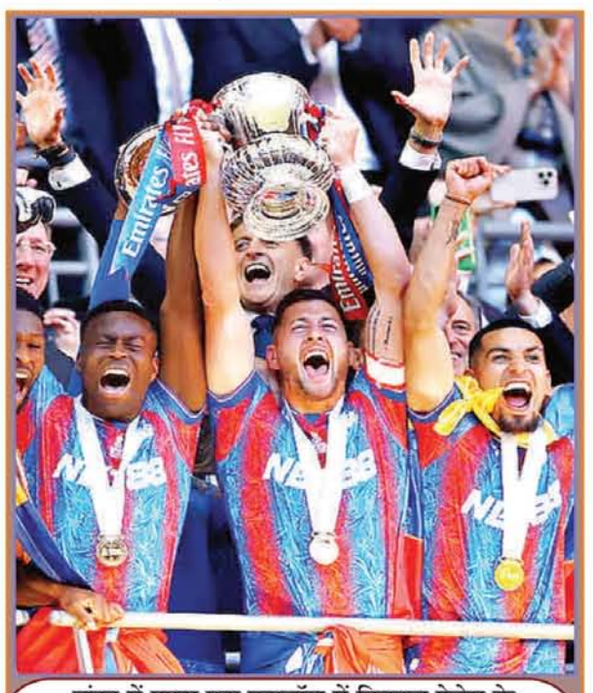

लंदन में एफए फप फुटबॉल में क्रिस्टल पेलेस के मार्क गुहेई व जोइल वार्ड ट्रॉफी उठाये हुए। इस दौरान अन्य खिलाड़ी भी नजर आ रहे।

देश में प्रसिद्ध राजस्थान के मंदिर

राजस्थान के प्रसिद्ध माता के मंदिर के दर्शन करवा रहे है। इन मंदिरों की कई खूबियां हैं। उदयपुर के ईडाणा माता मंदिर में माता रानी अग्नि स्नान करती हैं तो बीकानेर के करणी माता मंदिर में हर वक्त हजारों की संख्या में चूहे घूमते रहते हैं। वहीं जैसलमेर का तनोट माता मंदिर यहां गिरे पाकिस्तानी बम नहीं फटने से दुनियाभर में अपनी अलग पहचान रखता है।

ईडाणा माता मंदिर, उदयपुर...

मेवाड़ के सबसे प्रमुख शक्ति पीठों में से एक ईडाणा माता मंदिर में खुश होने पर माता स्वयं ही अग्नि स्नान करती हैं। यह मंदिर उदयपुर शहर से 60 किमी दूर कुराबड-बम्बोरा मार्ग पर अरावली की विस्तृत पहाड़ियों के बीच स्थित है। ईडाणा माता राजपूत समुदाय, भील आदिवासी समुदाय सहित संपूर्ण मेवाड़ की आराध्य मां हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण महाभारत काल में हुआ था। कई रहस्यों को अपने अंदर समेटे हुए इस मंदिर में नवरात्र के दौरान भक्तों की भीड़ होती है। ईडाणा माता का अग्नि स्नान देखने के लिए हर साल भारी संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं। अग्नि स्नान की एक झलक पाने के लिए भक्त घंटों इंतजार करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी समय देवी का आशीर्वाद भक्तों को प्राप्त होता है। पुराने समय में ईडाणा माता को स्थानीय राजा अपनी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

करणी माता मंदिर, बीकानेर...

बीकानेर के देशनोक में स्थित करणी माता का मंदिर दुनियाभर में प्रसिद्ध है। इस मंदिर में भक्तों से ज्यादा काले चूहे नजर आते हैं। वैसे यहां चूहों को 'काबा' कहा जाता है और इन काबाओं को बाकायदा दूध, लड्डू और अन्य खाने-पीने की चीजें परोसी जाती हैं। माना जाता है कि इस मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की हर मुराद पूरी होती है। करणी माता के मंदिर को 'चूहों वाली माता' या 'चूहों वाला मंदिर' भी कहा जाता है। मंदिर में आने वाले भक्तों को चूहों का जूठा किया हुआ प्रसाद ही मिलता है। हैरान करने वाली बात यह है कि इतने चूहे होने के बाद भी मंदिर में बिल्कुल भी बदबू नहीं है। साथ ही यहां इनसे आज तक कोई भी बीमारी नहीं फैली। चूहों का जूठा प्रसाद खाने से कोई भी भक्त बीमार नहीं हुआ।

त्रिपुर सुंदरी मंदिर, बांसवाड़ा...

त्रिपुर सुंदरी मंदिर बांसवाड़ा जिले से 19 किमी की दूरी पर स्थित है। यह मंदिर माता तुर्तिया के नाम से भी जाना जाता है। यहां काले पत्थर पर खुदी हुई देवी की एक मूर्ति, मंदिर में प्रतिष्ठित है। लोक कथाओं के अनुसार मंदिर कुषाण तानाशाह के शासन से भी पहले बनाया गया था। यह मंदिर एक शक्ति पीठ के रूप में प्रसिद्ध है। जो हिंदू, देवी शक्ति' या देवी पार्वती की पूजा करते हैं, उनके लिए यह एक पवित्र स्थान है। यहां पांच फीट ऊंची मां भगवती त्रिपुर सुंदरी की मूर्ति अष्ठादश भुजाओं वाली है, जिसे चमत्कारी माना जाता है। मां भगवती त्रिपुर सुंदरी का सात दिनों में हर दिन के हिसाब से अलग-अलग श्रृंगार किया जाता है। सोमवार को सफेद रंग, मंगलवार को लाल रंग, बुधवार को हरा रंग, गुरुवार को पीला रंग, शुक्रवार को केसरिया, शनिवार को नीला रंग और रविवार को पंचरंगी में श्रृंगार किया जाता है। ऐसा भी कहा जाता है कि देवी मां के सिंह, मयूर कमलासिनी होने और तीन रूपों में कुमारिका, मध्यान्ह में सुंदरी यानी यौवना और संध्या में प्रौढ़ रूप में दर्शन देने से इन्हें त्रिपुर सुंदरी कहा जाता है।

शाकंभरी माता मंदिर, सांभर...

जयपुर से करीब 100 किलोमीटर दूर सांभर कस्बे में स्थित मां शाकंभरी मंदिर करीब 2500 साल पुराना बताया जाता है। शाकंभरी माता चौहान वंश की कुलदेवी है, लेकिन माता को अन्य कई धर्म और समाज के लोग भी पूजते हैं। शाकंभरी को दुर्गा का अवतार माना जाता है। शाकंभरी मां के देशभर में तीन शक्तिपीठ है। माना जाता है कि इनमें से सबसे प्राचीन शक्तिपीठ यहीं है। मां शाकंभरी की पौराणिक ग्रंथों में वर्णित कथा के अनुसार, एक समय जब पृथ्वी पर लगातार सौ वर्ष तक वर्षा नहीं हुई, तब अन्न-जल के अभाव में समस्त जीव भूख से व्याकुल होकर मरने लगे। उस समय मुनियों ने मिलकर देवी भगवती की उपासना की। उपासना से खुश होकर दुर्गा जी ने एक नए रूप में अवतार लिया। उनकी कृपा से वर्षा हुई। इस अवतार में महामाया ने जलवृष्टि से पृथ्वी को हरी साग-सब्जी और फलों से परिपूर्ण कर दिया। शाक पर आधारित तपस्या के कारण शाकंभरी नाम पड़ा। इस तपस्या के बाद यह स्थान हराभरा हो गया, लेकिन समृद्धि के साथ ही यहां इस प्राकृतिक संपदा को लेकर झगड़े शुरू हो गए। जब समस्या ने विकट रूप ले लिया। तब मां ने यहां बहुमूल्य संपदा और बेशकीमती खजाने को नमक में बदल दिया। इस तरह से सांभर झील की उत्पत्ति हुई। वर्तमान में करीब 90 वर्गमील में यहां नमक की झील है।

शिला माता मंदिर, जयपुर...

राजस्थान का आमेर किला विश्व विरासत की सूची में शामिल है। आमेर की संरक्षक मानी जाने वाली देवी शिला माता मंदिर के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। हिंदू देवी काली को समर्पित यह शिला देवी मंदिर आमेर किले के परिसर में ही स्थित है। कहा जाता है कि राजा मान सिंह काली माता के बहुत बड़े भक्त थे। वह इस मूर्ति को बंगाल से लेकर आए थे। पूरे मंदिर के निर्माण में सफेद संगमरमर का उपयोग किया गया है। इसे देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आमेर में प्रतिष्ठापित शिला देवी की प्रतिमा के टेढ़ी गर्दन को लेकर भी एक किवदंती प्रचलित है। कहा जाता है की माता राजा मानसिंह से वार्तालाप करती थी। यहां देवी को नर बलि दी जाती थी, लेकिन एक बार राजा मानसिंह ने माता से वार्तालाप के दौरान नरबलि की जगह पशु बलि देने की बात कही। इससे माता रुष्ट हो गईं। गुस्से से उन्होंने अपनी गर्दन मानसिंह की ओर से दूसरी ओर मोड़ ली। तभी से इस प्रतिमा की गर्दन टेढ़ी है। माता के गर्दन के ऊपर पंचलोकपाल बना हुआ है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश और कार्तिके के छोटी-छोटी प्रतिमा बनी हुई है।

तनोट माता मंदिर, जैसलमेर...

देश का हर सैनिक तनोट माता की कृपा और चमत्कार से भली भांति वाकिफ है। माता की कृपा तो सदियों से भक्तों पर है, लेकिन 1965 की भारत और पाकिस्तान की जंग में माता ने अपने चमत्कार दिखाए। माता के मंदिर पर पाकिस्तानियों ने सैकड़ों बम गिराए लेकिन यह बम फटे नहीं। यह मंदिर जैसलमेर से करीब 130 किलो मीटर दूर भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित है। माता के इस चमत्कारिक मंदिर का निर्माण लगभग 1200 साल पहले हुआ था। 1965 की लड़ाई के बाद माता की प्रसिद्ध मंदिर विदेशों में भी छा गई। पाकिस्तानियों के मंदिर परिसर में गिरे 450 बम फटे ही नहीं। ये बम अब मंदिर परिसर में बने एक संग्रहालय में भक्तों के दर्शन के लिए रखे हुए हैं। 1965 की जंग के बाद इस मंदिर का जिम्मा सीमा सुरक्षा बल को दे दिया गया। इसके बाद से आज तक हर दिन भारतीय सेना के जवान ही मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं।

कैला देवी मंदिर, करौली...

राजस्थान के करौली में स्थित कैला देवी मंदिर पूरे विश्व में बहुत ही प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि यहां विराजीत कैला देवी यदुवंशी हैं। इन्हें यहां के लोग भगवान श्री कृष्ण की बहन मानते हैं। इसको लेकर कई कथाएं भी प्रचलित हैं। कैला देवी मंदिर की एक बात बहुत ही खास है, वो यह कि जो भी व्यक्ति यहां आता है वो कभी खाली हाथ नहीं लौटता। कैला देवी भक्तों की हर मनोकामना को पूरा करती हैं। इसलिए साल भर इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है।

चामुंडा माता मंदिर, जोधपुर...

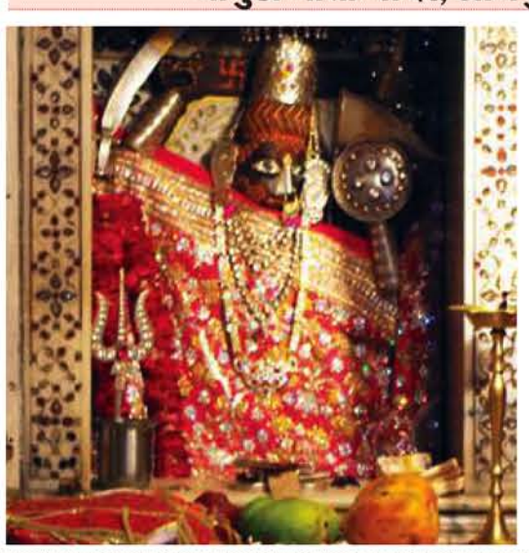

मेहरानगढ़ किले के अंत में स्थित, चामुंडा माता मंदिर जोधपुर के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक है। देवी को जोधपुर के निवासियों की मुख्य देवी माना जाता है। उन्हें 'इष्ट देवी' और राजपरिवार की देवी माना जाता है। ये हिंदुओं का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। माना जाता है कि चामुंडा माता राव जोधा की पसंदीदा देवी थीं, इसलिए उनकी मूर्ति को 1460 में मेहरानगढ़ किले में पूरी धार्मिक प्रक्रिया के साथ स्थापित किया गया था।

जीण माता मंदिर, सीकर...

सीकर जिले के गोरिया गांव के दक्षिण मे पहाड़ों पर जीण माता का मंदिर है। जीण माता का वास्तविक नाम जयंती माता है। घने जंगल से घिरा हुआ मंदिर तीन छोटे पहाड़ों के संगम पर स्थित है। इस मंदिर में संगमरमर का विशाल शिव लिंग और नंदी प्रतिमा मुख्य आकर्षण है। इस मंदिर के बारे में कोई पुख्ता जानकारी उपलब्ध नहीं है। फिर भी पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता का मंदिर 1000 साल पुराना माना जाता है। जबकि कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। लोक मान्यता के अनुसार, एक बार मुगल बादशाह औरंगजेब ने राजस्थान के सीकर में स्थित जीण माता और भैरों के मंदिर को तोड़ने के लिए अपने सैनिकों को भेजा। जीण माता ने अपना चमत्कार दिखाया और वहां पर मधुमक्खियों के एक झुंड ने मुगल सेना पर धावा बोल दिया था।

केसरी चैप्टर 2 की कामयाबी से मजबूत हुईं अनन्या पांडे, लेना चाहती हैं ये जोखिम

अभिनेत्री अनन्या पांडे को हाल ही में फिल्म केसरी चैप्टर 2 में देखा गया था। उन्होंने कहा है कि वह और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण रोल अदा करने के लिए तैयार हैं। अनन्या ने साल 2019 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वह गहराइयां और सीटीआरएल जैसी में नजर आईं। हर फिल्म में उनकी अलग काबिलियत दिखाई दी है।

अधिक चुनौतीपूर्ण फिल्में करना चाहती हैं अनन्या

फिल्म कंपेनियन से बातचीत में अन्नया पांडे ने कहा मुझे लगता है कि पहले हमने भले बदहवासी में फैसला किया हो लेकिन अब पूरे होश व हवास में फैसला किया है। मैं नहीं चाहती कि मैं जैसी दिखती हूं उसी तरह जानी जाऊं। मैं गहराई में उतरना चाहती हूं। मैं अपने आपको धक्का देना चाहती हूं। मैंने महसूस किया है कि कई प्रोजेक्ट में काम करने के बाद मैं वापस नहीं जाना चाहती। एक शैली में सीमित नहीं रहना चाहती अनन्या

अनन्या पांडे चुनौतीपूर्ण किरदारों के साथ प्रयोग करना चाहती हैं। पति पत्नी और वो और ओटीटी सीरीज कॉल मी बे में काम करने के बाद, अनन्या को लगता है कि अगर वह सिर्फ एक शैली तक ही सीमित रहती हैं, तो यह उनके फैंस के साथ अन्याय होगा।

अनन्या की पिछली फिल्म के बारे में अनन्या पांडे ने हाल ही में रिलीज हुई केसरी चैप्टर 2 में अपने प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों और आलोचकों दोनों से तारीफें लूटी हैं। फिल्म में उन्होंने दिग्गज अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिलरीत गिल की भूमिका निभाई है। फिल्म में आर माधवन भी हैं। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है। ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही है। फिल्म ने पहले तीन हफ्तों में लगभग 81.5 करोड़ रुपये कमाए हैं।

दीपिका पादुकोण ने स्पिरिट के लिए मांगी 20 करोड़ फीस

बॉलीवुड की सुपरस्टार दीपिका पादुकोण बीते साल 2024 में प्रभास के साथ तेलुगू में बनी पैन इंडिया रिलीज कल्कि 2898एडी में नजर आई थीं। फिर वह रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में डीसीपी शक्ति शेट्टी बनकर धुआंधार एक्शन करती नजर आईं। अब आगे वह शाहरुख खान के साथ जहां किंग में नजर आएंगी, वहीं खबर है कि उन्हें प्रभास के साथ एक बार फिर से स्पिरिट में कास्ट किया गया है। और तो और, एनिमल फेम संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म के लिए दीपिका ने इतनी तगड़ी फीस ली है कि वह सुर्खियों में आ गई हैं!

दीपिका पादुकोण बीते साल 8 सितंबर 2024 को मां बनी हैं। वह इन दिनों बेटी दुआ की परवरिश में वक्त दे रही हैं। इस बीच रिपोर्ट में बताया गया है कि संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें प्रभास के अपोजिट स्पिरिट में कास्ट किया है। यह पर्दे पर मां बनने के बाद उनकी कमबैक फिल्म होगी। रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से कहा गया है कि दीपिका को इस फिल्म के लिए उनके करियर की सबसे अधिक फीस मिल रही है।

दीपिका ने स्पिरिट के लिए ली है 20 करोड़ फीस!

हालांकि, सटीक आंकड़े की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इनसाइडर रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि दीपिका पादुकोण को स्पिरिट के लिए करीब 20 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। यदि यह सच है, तो दीपिका भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस बन जाएंगी।

देश की सबसे महंगी एक्ट्रेस में रश्मिका, प्रियंका, आलिया का भी नाम

देश में सबसे मोटी फीस लेने वाली एक्ट्रेसस में इस वक्त रश्मिका मंदाना से प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट जैसी एक्ट्रेसेस का नाम शुमार है। फिल्हाल, टॉप एक्ट्रेसेस की फीस 10-15 करोड़ के बीच है। लेकिन दीपिका की 20 करोड़ की फीस इस मायने में एक नया बेंचमार्क है। हालांकि, इस फीस की चर्चा ऐसे समय में भी हो रही है, जब कई दिग्गज फिल्ममेकर्स एक्टर्स की बढ़ती फीस को लेकर चिंता जता चुके हैं।

दीपिका ने दी हैं हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में

वैसे, दीपिका पादुकोण की फीस का बढ़ना कोई आश्चर्य नहीं है। ऐसा इसलिए कि उनकी झोली में पद्मावत, बाजीराव मस्तानी पीकू, ये जवानी है दीवानी और जवान जैसी हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि दीपिका इस वक्त इंडस्ट्री की सबसे काबिल और सबसे भरोसेमंद स्टार हैं।

जून-जुलाई में शुरू हो जाएगी स्पिरिट की शूटिंग

जहां तक स्पिरिट की बात है, तो प्रभास और दीपिका के साथ संदीप रेड्डी वांगा इसे ग्रैंड लेवर पर बना रहे हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म बताई जा रही है, जिसे पैन इंडिया रिलीज किया जाएगा। स्पिरिट की शूटिंग 2025 में जून-जुलाई के आसपास शुरू हो सकती है। प्रभास-दीपिका की पिछली फिल्म कल्कि - 2898एडी ने बॉक्स ऑफिस पर देश में 646.31 करोड़ का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 1042.25 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

पंचायत 4 के सभी पहलू लोगों को हंसाएंगे और रुलाएंगे भी...

फैसल मलिक इन दिनों अपनी अगली वेब सीरीज पंचायत 4 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस सीरीज का टीजर रिलीज हुआ है। पंचायत में किरदार ऐसे लिखे गए हैं जिनसे लोग खुद को जोड़ लेते हैं। वो सीधा-सादा इंसान किसी को भी अपने पापा या चाचा जैसा लग सकता है। यही कॉमेडी और इमोशन का मेल है जो पंचायत को खास बनाता है। पंचायत देखकर गांव वाले सराहते हैं या नाराज होते हैं? गांव वाले बहुत प्यारे लोग हैं। शूटिंग के दौरान खाना खिलाते हैं, मदद करते हैं। अब तो पहचान भी गए हैं कि हम ढाई महीने वहीं रहेंगे। इसलिए एक अपनापन लगता है उनके बीच।

पंचायत 4 में क्या नया है?

इस बार तो धमाल है! जब पहला सीजन बना था तब नहीं सोचा था इतना चलेगा, 2 बना तो उससे ज्यादा चला, 3 ने दोनों को पीछे छोड़ा। 4 में तो सबकुछ है। कहानी, डायरेक्शन और इमोशन, सभी का लेवल अप है। अब इस सीरीज को लोग खुद वायरल कर देते हैं, हमें खुद नहीं पता चलता कि सीरीज का कौनसा सीन कितना बड़ा हिट हो गया। इस बार के सीजन में सभी पहलू दर्शकों को हसाएंगे और रुलाएंगे भी। ये सीजन भी सभी के साथ कनेक्ट करेगा।

राधिका आप्टे की सिस्टर मिडनाइट सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिनेत्री राधिका आप्टे की बाफ्टा नॉमिनेटेड फिल्म सिस्टर मिडनाइट 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण कंधारी ने किया है। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म है। इसका निर्माण एलेस्टेयर क्लार्क, एना ग्रिफिन और एलन मैकएलेक्स द्वारा किया गया है।

फिल्म की कहानी राधिका आप्टे के किरदार के आस-पास घूमती है। नवविवाहित उमा (राधिका आप्टे) अपने पति गोपाल (अशोक पाठक) के साथ जीवन में सामंजस्य बैठाने की कोशिश करती है। मुंबई में एक छोटे से कमरे में साथ रहना उसके लिए आसान नहीं है। खासकर तब जब गोपाल घंटों गायब रहता है। बेमन से वह पड़ोसी शीतल (छाया कदम) की मदद से खाना बनाना सीखती है। इसके बाद गोपाल के चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के बाद असंतुष्ट उमा के लिए चीजें बदल जाती हैं। मछर के काटने से वह बीमार महसूस करने लगती है, वह पीली और पतली हो जाती है। धीरे-

बाफ्टा में हुई नामांकित

इस साल के बाफ्टा में उत्कृष्ट ब्रिटिश डेब्यू के लिए नामांकित 'सिस्टर मिडनाइट' 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में सबसे चर्चित फिल्म थी। यह फिल्म गोल्डन कैमरा पुरस्कार और डायरेक्टर्स फोर्टनाइट के लिए नामांकित की गई थी। ब्रिटिश इंडिपेंडेंट फिल्म अवार्ड्स (बाफ्टा) के लिए भी यह नामांकित हुई थी। 'सिस्टर मिडनाइट' ने ऑस्टिन के फैंटास्टिक फेस्ट में नेक्स्ट वेव अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार भी जीता।

ऐसी फिल्म करना चाहता था, जिससे सम्मान मिले

वेटरन एक्टर आदित्य पंचोली के बेटे और अभिनेता सूरज पंचोली इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'केसरी वीर' को लेकर चर्चाओं में बने हैं। फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली। इस बीच सूरज पंचोली ने अपने करियर को लेकर बात की। साथ ही अभिनेत्री जिया खान की मौत के मामले के बाद आई मुश्किलों पर भी खुलकर बात की। बातचीत में सूरज पंचोली ने कहा, मैं कई स्क्रिप्ट सुन रहा था, लेकिन मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था जिससे मुझे सम्मान मिले। जो भी कैमरे के पीछे या सामने काम करता है, वे सभी बहुत मेहनत करते हैं। जब आपके काम की सराहना नहीं होती है, तो आप वास्तव में निराश महसूस करते हैं। इसलिए मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था, जिसके बारे में लोग कहें कि ठीक है, शायद सूरज सक्षम है।

'केसरी वीर' को मैंने खुले दिमाग से किया अभिनेता ने आगे कहा, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले अपनी जिंदगी को पटरी पर लाना चाहता था। मैं एक दिन बैठा और अपने माता-पिता से बात की। मैंने कहा कि मुझे यह काम पूरा करने दीजिए, मैं बाद में काम करूंगा। मैं जो चाहूंगा करूंगा, लेकिन पहले मुझे यह काम पूरा करने दीजिए। भगवान का शुक्र है कि मैं यह सब अब कर चुका हूं। 'केसरी वीर' पहली फिल्म है जिसे मैंने नए, खुले और केंद्रित दिमाग से किया है। मैं केवल इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं कि कैसे प्रदर्शन करना है। अच्छी चीजों में समय लगता है। अथिया शेट्टी के साथ फिल्म 'हीरो' से अपने करियर की शुरूआत करने वाले सूरज पंचोली अब 'केसरी वीर' में अथिया के पिता सुनील शेट्टी के साथ नजर आ रहे हैं। इस पर सूरज का कहना है, अथिया ने 'हीरो' में मेरे पिता के साथ काम किया और अब मैं सुनील सर के साथ काम कर रहा हूं। इसलिए, यह सब वापस आ रहा है। मेरे लिए अपने जीवन को फिर से शुरू करने के लिए इस फिल्म से बेहतर कुछ नहीं है।

23 मई को रिलीज होगी 'केसरी वीर'

'केसरी वीर' में सूरच पंचोली के साथ सुनील शेट्टी, आकांक्षा शर्मा और विवेक ओबेरॉय भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रिंस धीमन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

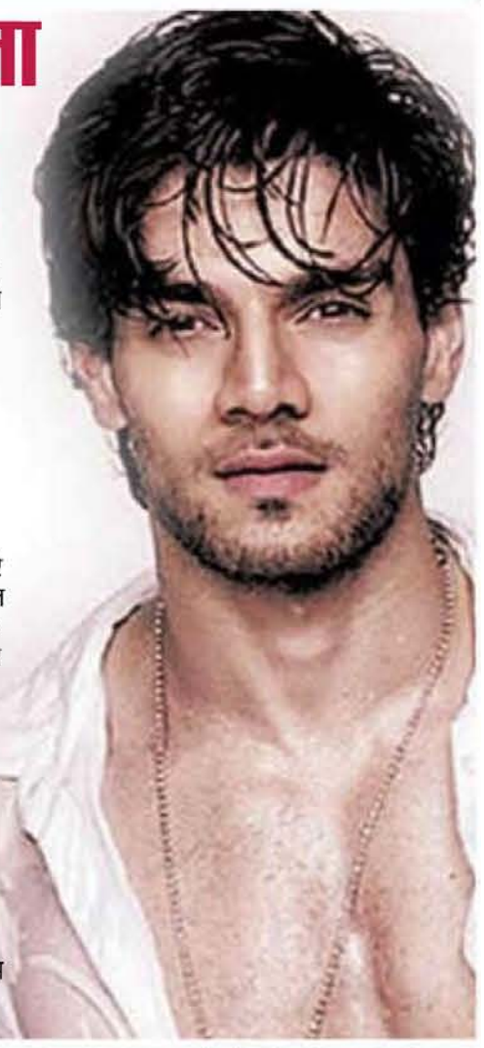

मुझे अचानक स्टार प्लस से एक हजारों के लिए लॉक कर दिया

निया शर्मा इन दिनों निया लाफ्टर शेफ्स 2 में जमकर लोगों का मनोरंजन कर रही हैं। हालांकि यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी जद्दोजहद की है। उन्होंने अपनी लाइफ के स्ट्रगल का किस्सा खुद सुनाया था और बताया था कि शुरुआती दिनों में वो किस तरह के घर में रही हैं। निया ने कहा कि सच ये है कि उन्हें एक्टिंग में आना ही नहीं था। उन्होंने एक बार भारती और हर्ष लिंबाचिया के चैट शो पर कहा कि उन्हें जर्नलिज्म स्टूडेंट बनना था तो हिंदी इंग्लिश में अपना कैमरा उठाकर माइक पर बोलना शुरू किया। निया शर्मा ने कहा, हमेशा से ये सब करती थी मैं स्टेज वगैरह पर। मुझे जर्नलिज्म में ही जाना था तो उसके लिए मैं इधर-उधर जाती रहती थी इंटर्नशिप कर ली, कहीं कुछ कर ली।

दिल्ली वापस जाकर कुछ और करने का था प्लान

इस थ्रोबैक चैट पर उन्होंने कहा था, हर्ष, आप बिलीव नहीं करोगे, मेरा वही ऑडिशन हो गया और वो मेरे को मुंबई ऑडिशन बुलाए, फर्स्ट सेकंड होगा, मैंने उतने ऑडिशन दिए भी नहीं। एक हजारों ..नहीं वो काली एक अग्नि परीक्षा के लिए था, जिसमें आशुतोष राणा थे। वो कोई रियल स्टोरी थी,मेरा मम्मी ने जाने दिया, स्टार प्लस का शो था तो कौन मना करेगा। तो मै आ गई, सोचा 6 महीने के बाद वापस दिल्ली जाकर अपना पोस्ट ग्रैजुएशन करूंगी और जर्नलिज्म बीसीए, एमसीए होता है वो करूंगी। उन्होंने आगे कहा, मैंने वापस जा रही थी, मम्मी के लिए गिफ्ट खरीद लिए, सब हो गया तो मुझे अचानक स्टार प्लस से एक हजारों के लिए लॉक कर दिया सेकंड ऑडिशन मैंने कब दिया होगा याद भी नहीं। मेरा टिकट कैंसिल हुआ दिल्ली का। वो शो एक साल से पाइपलाइन में था। मैंने स्क्रैच से स्टार्ट किया, उस घर में रही जहां सामने बेड था अपनी को-स्टार क्रिस्टल के बारे में बातें करते हुए निया ने कहा, उसके पास गाड़ी भी थी, मैं एक रेंटेड अपार्टमेंट में पीजी में रहती थी तब एक रूम वाले फ्लैट में। फोर्थ फ्लोर पर, लिफ्ट भी नहीं थी उसमें, पॉट भी इंडियन था। इमैजिन भी नहीं कर सकते। मैंने स्क्रैच से स्टार्ट किया। मैं वैसे भी घरों में रही हूं जहां पे दरवाजा खुलते ही सामने मेरा बेड था।, जो ओनर थे उसका वन रूम किचन में उसका रूम था। मैं सामने सो रही होती थी यार गेट खुलते ही इतने से बेड पर, मैं ऐसे पीजी में भी रही हूं। उन्होंने कहा, वो पूरी-पूरी रात पार्टीज़ करती थी अपने 80 हजार फ्रेंड्स लेकर आती थी उस घर में, मुझे सुबह वापस साढ़े 8 बजे मुझे सेट पर जाना होता था, 3 बजे मुझे छोड़ते थे, मुझे सिर्फ 4 घंटे की नींद होती थी जिसमें से वे पार्टी किया करते, मैं बालकनी में बैठकर रोई हूं।

ज़ायद खान की ओटीटी पर धमाकेदार डेब्यू होने का वादा

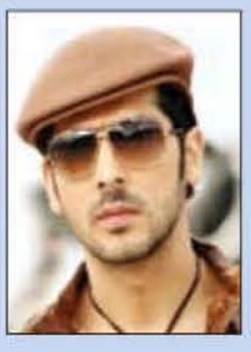

बॉलीवुड अभिनेता ज़ायद खान अपनी बहुप्रतीक्षित फ़िल्म द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ के साथ ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मोहित श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म अपने अनोखे विज़न और अभूतपूर्व हास्य की गारंटी के चलते पहले से ही चर्चा में है। फिल्म में लगभग 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो होने की चर्चाओं ने फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, जो ज़ायद को उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग भूमिका में देखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'द फिल्म दैट नेवर वाज़' की खासियत सिर्फ इसके सितारों से सजी कास्ट में ही नहीं है, बल्कि इसके चारों ओर फैले रहस्य में भी है। फिल्म के बारे में जानकारियाँ बेहद गोपनीय रखी जा रही हैं, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। ज़ायद ने खुद इशारा किया है कि उनका किरदार, इस फिल्म में जिसे शॉर्ट में TFTNW कहा जा रहा है, उनके लिए पूरी तरह नया और चुनौतीपूर्ण है। इससे साफ होता है कि फिल्म में उनका रूपांतरण कुछ ऐसा होगा जिसे देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म सिर्फ एक हास्य फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी प्रतीत हो रही है, जो दर्शकों के दिल को भी छू सकती है।

रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती को लेकर रणनीति तैयार

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती को मनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला पार्टी जिला कार्यालय सेक्टर-116 में आयोजित की गई। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद एवं नोएडा प्रभारी श्रीमती कांता कर्दन रही साथ में कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने की।

श्रीमती कांता कर्दन ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से 21 में से 31 में तक रानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती महोत्सव अभियान चलाकर उनके जीवन वह कार्यों के बारे में आमजन को बताया जाएगा। पार्टी के सभी कार्यकर्ता नोएडा के हर मंडल हर बूथ तक जाकर उनके विषय पर चर्चा करेंगे।

जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर कुशल शासक के साथ धार्मिक और भारतीय संस्कृति की प्रचारक भी थी उनका जीवन महिलाओं और युक्तियां के लिए प्रेरणा स्रोत था। उनकी स्मृतियों को याद आकृति हुए हम ये त्रिशताब्दी जयंती मना रहे हैं। पत्रकारों को इस पूरे त्रिशताब्दी जयंती की जानकारी देते हुए उपाध्यक्ष युधवीर चौहान और मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर ने कार्यक्रमों की जानकारी दी।

कार्यकम में सुचित्रा कक्कड़, युधवीर चौहान, उमेश त्यागी, तन्मय शंकर, मुकेश शर्मा, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, विनोद शर्मा, प्रदीप चौहान, सुषमा सिंह, प्रज्ञा पाठक, भूपेश चौधरी, गौतम शर्मा, राम किशन यादव, चमन अवाना, उमेश यादव, गोपाल गौर, शिवांश श्रीवास्तव, शारदा चतुर्वेदी, राजेंद्र अवाना, राम निवास यादव, भगत भाटी, सत्यनारायण माहवार नीरज चौधरी, प्रमोद बहल, एस पी चमोली, गिरीश कोटनाला, मधु मेहरा, सचिन अंबाबता आदि कार्यकर्ता रहे।

भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली तिरंगा यात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पूरे देश में तिरंगा यात्रा का दौर चल रहा और इसी के चलते आज नोएडा में 'सिंदूर तिरंगा यात्रा' का आयोजन महिला मोर्चा द्वारा किया गया।

यह यात्रा गिझौड़ गांव (CNG पेट्रोल पंप के समीप) से शुरू हुई और कई सेक्टरों में होती हुई समाप्त हुई। इस तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में उप्र राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम एवं श्रीमती कांता कर्दम पूर्व राज्य सभा सांसद, भाजपा अध्यक्ष महेश चौहान, भाजपा महामंत्री डिम्पल आनंद, महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी समेत सैकड़ों महिला कार्यकर्ता मौजूद थीं।

रालोद का सदस्यता अभियान 25 मई को : जनार्दन भाटी

नोएडा (चेतना मंच)। जिला कार्यालय ए-34 सेक्टर चाइ 3 पर राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के जिला कमेटी की मीटिंग बुलाई गई। मीटिंग में जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी ने बताया कि 25 मई (रविवार) को गौतमबुधनगर जिले में पार्टी की सदस्यता अभियान की शुरुआत की जाएगी।

अभियान की शुरुआत के मुख्य अतिथि अनिल कुमार (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) एवं त्रिलोकचंद त्यागी राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) व पार्टी की राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। हम सभी जिले के सम्मानित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी का उद्देश्य होगा कि अधिक से अधिक जिले में अपनी पार्टी से लोगों को जोड़ें और पार्टी को मजबूत किया जाए। पार्टी कार्यालय पर एड. विशाल नागर को जिला अध्यक्ष(प्रोफेशनल मंच) बनने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

इस मौके पर मनवीर भाटी श्रीमती प्रियंका अत्रि गजेंद्र सिंह वीरेंद्र पूनिया आजाद मलिक निशांत भाटी वीरेंद्र मलिक मनोज चौधरी अंशुम आनंद एड विशाल नागर पुष्पेंद्र पंडित ईश्वर सिंह विनीत भाटी जसवीर ठाकुर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर-11 में पानी की गंदगी व किल्लत

शिकायत के बाद भी कुंभकर्णी नींद में जल विभाग

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-11 नोएडा के निवासी पिछले 5 -6 महीने से गंभीर पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। पानी का प्रेशर इतना कम आ रहा है कि मोटर चलाने के बावजूद भी छत पर रखी टंकियां नहीं भर पा रही हैं। पानी के आने का कोई निश्चित समय नहीं रह गया है। कई बार तो पानी इतना गंदा आता है कि जिसे पीना तो दूर कपड़े धोने या सफाई के लिए भी प्रयोग नहीं कर सकते। आरडब्ल्यूए के महासचिव दिनेश कृष्णन ने बताया कि यहां के निवासी बार-बार इस बारे में जल विभाग को सूचित करते हैं लेकिन कोई भी निश्चित कार्यवाही अभी तक नहीं हो पाई। पानी की पाइप लाइन को फ्लैश-आउट करने पर एक-दो दिन ही साफ पानी आता है फिर वही गंदा पानी आना शुरू हो जाता है। सेक्टर-11 में पानी की समस्या का शीघ्र निदान करने के लिए नोएडा अथॉरिटी को बार-बार लिखा गया है परंतु अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है।

अजय चौधरी गाजियाबाद व सतेन्द्र शर्मा को बनाया बागपत का कोआर्डिनेटर

नोएडा (चेतना मंच)। जिले गौतमबुद्धनगर कॉंग्रेस के दो नेताओं को उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी पूर्व प्रदेश सदस्य सतेन्द्र शर्मा को बागपत जिला शहर कॉंग्रेस कमेटी का कोडिनेटर बनाया है।

उन्होंने इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मालिकार्जुन खड़गे, कॉंग्रेस पार्टी की चैयरपर्सन श्रीमती सोनिया गाँधी, प्रतिपक्ष नेता राहुल गाँधी, सांसद श्रीमती प्रियंका गाँधी, राष्ट्रीय महासचिव यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेशाध्यक्ष अजय राय, विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना, राज्यसभा सांसद उपनेता सदन प्रमोद तिवारी, राष्ट्रीय सचिव सहप्रभारी यूपी प्रदीप नरवाल, राष्ट्रीय सचिव हिमाचल सहप्रभारी विदित चौधरी, गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला, शहर अध्यक्ष नोएडा मुकेश यादव सहित शीर्ष नेतृव का आभार व्यक्त किया।

निर्देशानुसार सगठन सृजन अभियान में अन्य जिलों में कोडिनेटर बनाया है। वरिष्ठ नेता अजय चौधरी को गाजियाबाद शहर कांग्रेस कमेटी का कोडिनेटर एव

सोफिया कुरैशी व व्योमिका सिंह को दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। मिशन सिंदूर की सफलता में अग्रणी भूमिका निभाने वाली हमारी बहादुर नारी सैन्य शक्ति सोफिया कुरैशी तथा व्योमिका सिंह और भारत की अदम्य शक्ति शाली भारत की सेना का पाकिस्तान को धूल चटाने उनकी औकात समझाने और भारत के नाम पूछ कर मारने वालों को नाम बता कर मारकर आने वाले सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकालकर उनको शुभ कामनाएं दी।

आरडब्ल्यू रजत विहार के साथ सभी सम्मानित महिला पुरुष निवासियों ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

आरडब्ल्यू अध्यक्ष अमित नागपाल तथा महासचिव गोपाल शर्मा ने देश के वीर सैनिकों के शौर्य पर बधाई दिया।

गोल्ड मेडल विजेता दीपा जाटव का हुआ अभिनंदन

नोएडा (चेतना मंच)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालयअम्बेडकर विहार सेक्टर-37 नोएडा हाल ही में थाईलैंड में हुई वर्ल्ड हैवीवेट लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल हासिल करने वाली दीपा जाटव का स्वागत किया गया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय के संरक्षक गणेश जाटव ने बताया कि दीपा बहुत ही मेहनती लड़की है उसने मुसीबत के समय में भी अपनी इस यात्रा को रुकने नहीं दिया। सेल्फ डिफेंस के लिए उसने कराटे भी सीखे कराटे प्रतियोगिता में भी दीपावली दो बार ब्लैक बेल्ट जीता है। हैवीवेट चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश स्टेट में भी प्रथम श्रेणी में गोल्ड मेडल जीता इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीता।

दीपा के स्वागत समारोह में विशेष रूप से पूर्व अध्यक्ष भीमराज जाटव महामंत्री राजेंद्र ठेकेदार सत्यपाल जाटव उदय सिंह उपाध्यक्ष जगत सिंह अजय गौतम राजकुमार मोनू संतराम मंत्री रोहित चौधरी देवराज जाटव वीरेंद्र सिंह भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष नथौली सिंह सुखबीर सिंह बौद्ध के के भास्कर बौद्ध जग रोशनी बौद्ध रीना भास्कर डॉ. सतीश सिंह गीतांजलि देवी कमलेश देवी अरुण जाटव सुरेश सिंह दीपक जाटव विकास जाटव अमित कुमार मनोज कुमार अमिताभ कुमार पंकज गौतम एवं पुस्तकालय के छात्र छात्राएं भारी संख्या में उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com